RNI Reference No. 1328500

द रीव टाइम्स

The RIEV Times

16-30 सितम्बर, 2018

हिमाचल,
वर्ष 1/ अंक 5/ पृष्ठः 16
मूल्यः ₹ 25/-

www.therievtimes.com

स्वयं की जागरूकता में ही राष्ट्र की जागरूकता समाहित है- डॉ॰ एलसी शर्मा

हिमाचल ने कहा ... ज़िंदगी जियें-नशा नहीं

आईआईआरडी के नशामुक्त हिमाचल अभियान ने 5 सितंबर को पूरे प्रदेश में जनमानस को जोड़ा

विद्यालयों में प्रतियोगिताऐं और युवा, महिला मंडलों में कार्यक्रम हुए आयोजित

द रीव टाइम्स (हेम राज चौहान)

हिमाचल प्रदेश भी नशे के जाल में फंसता जा रहा है और आज स्थितियां बेहद ख़राब हो गई हैं । शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस कलंक से समाज कलंकित हो रहा है । नशे के विभिन्न प्रकारों का सेवन युवाओं को चपेट में लेता जा रहा है । वर्तमान में शायद ही कोई ऐसा दिन हो जिस दिन चिट्टे के साथ युवाओं की गिरफ्तारी न होती हो । नशे की एक बड़ी खेप हिमाचल के आंचल को सुन्न करती जा रही है । इस भंयकर समस्या को निदान पर लाने और हिमाचल की जनता को नशामुक्त समाज की ओर अग्रसर करने के उद्येश्य से सामाजिक संस्था आईआईआरडी ने प्रदेशव्यापी नशामुक्त हिमाचल अभियान का आगाज़ शिक्षक दिवस यानि 5 सितंबर से संपूर्ण हिमाचल में किया ।

ज़िंदगी जियें - नशा नहीं...प्रदेशव्यापी मुहिम

5 सितंबर को पूरा हिमाचल एक साथ नशे के ख़िलाफ लांमबंद हुआ और इस मुहिम में स्कूली विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों से जागरुकता का संदेश दिया । इस अभियान को हिमाचल के विभिन्न संगठनों एवं युवा मंडलों, महिला मंडलों एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश के 12 ज़िलों में एक साथ आरम्भ किया गया । मक़सद यही कि प्रदेश को इस बीमारी से न

केवल जागरुक करना है बल्कि इसके खात्मे के लिए सार्थक पहल भी करनी है । ये जीवन अनमोल है और परिवार, राष्ट्र एवं समाज का ऋणी भी है । नशे में खोखला शरीर, आत्मा समाज और राष्ट्र का ऋण नहीं चुका सकती है..... इसलिए ज़िंदगी जियें...नशा नहीं ।

क्या है ये नशामुक्त हिमाचल अभियान

आईआईआरडी मिशन रीव के सहयोग से तथा प्रदेश की विभिन्न संस्थाओं को जोड़कर, उन्हें साथ लेकर जागरुकता, परामर्श, उपचार और पुनर्वास के अलावा शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से इसे युवाओं तक एक निरंतर प्रक्रिया के रुप में करने का प्रयास कर रही है । हिमाचल को नशे से बचाने और युवा पीढ़ी को इसकी लत से छुटकारा दिला कर उनका पथप्रदर्शन करने का लक्ष्य है । यही नहीं यदि कोई इससे बहुत अधिक प्रभावित हो चुका है तो उसके उपचार और पुनर्वास हेतु भी हरसंभव सार्थक प्रयास करने होंगे ।

अभियान की सफलता

5 सितंबर को पूरे प्रदेश में विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों ने नशामुक्त हिमाचल की नींव अपने विभिन्न क्रियाकलापों से रखी । इतना ही नहीं, प्रदेश के युवा मंडलों और महिला मंडलों ने भी इस दिन इसका आगाज़ किया । स्कूली विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिताओं, चित्रकला प्रतियोगिता आदि के माध्यम से नशे पर ज़ोरदार प्रहार किया । संस्था ने इसे तीन वर्गों में विभाजित किया है । कक्षा 6 से 8, 9 से 10 तथा 11 से 12 कक्षा में इस प्रतियोगिता को करवाया गया और 2 अक्तुबर तक करवाया जा रहा है । प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र से नवाज़ा गया । चित्रकला में नशे के विनाश और इससे बचने के उपायों को बच्चों ने बेहद खूबसूरती के साथ चित्रित किया ।

कुल विद्यालय जिनमें अभियान का आगाज़ हुआ	150 से अधिक
आमजन एवं विद्यार्थियों की संख्या.....	10,000 से अधिक
विजेता विद्यार्थियों की संख्या.....	550

शिमला में हुआ अभियान का विधिवत आगाज़

आईआईआरडी ने शिमला से इस प्रदेशव्यापी अभियान का आगाज़ किया । शिमला के शनान में एक भव्य कार्यक्रम से इसकी शुरुआत की गई जिसमें संगीत संकल्प संस्था की राज्य समन्वयक डॉ0 मनोरमा शर्मा एवं वी के शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि पधार कर जनता से इस अभियान को सफल बनाने का आहवाहन किया । इस अवसर पर संस्था के प्रबंध निदेशक एवं इस अभियान के प्रणेता डॉ0 एल सी शर्मा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की । डॉ0 मनोरमा शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने अध्यापनकाल में भी इस समस्या को बच्चों में बहुत समीप से महसूस किया था और धीरे–धीरे युवा चेहरा नशे में काला पड़ जाता है जिससे स्वयं का तो नुकसान हो ही जाता है परंतु समाज को भी इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ता है । इसके लिए संस्था का यह प्रयास सर्वथा स्वागतयोग्य है । वी के शर्मा ने कहा कि जिस उद्येश्य और गुणवत्ता के साथ संस्था ने इस प्रयास को आरंभ किया है, उससे प्रदेश में इसके प्रति आमजन का जुड़ाव होगा तथा इस बीमारी से प्रदेश को बचाने में सफलता मिलेगी ।

डॉ0 एल सी शर्मा ने इस पूरे कार्यक्रम पर विस्तार से बताया कि प्रदेश में इस भयावक नशे के खिलाफ बातें तो बहुत समय से हो रही है, धरातल पर कार्य नहीं हुआ । आज स्थितियां बेहद नाजुक होती जा रही है । इसी को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक योजना के साथ संस्था पूरे हिमाचल में जन सहयोग से नशामुक्ति अभियान को न केवल संचालित करेगी बल्कि इसके स्थाई निदान हेतु इसके समस्त पहलुओं पर सेवाऐं देगी ।

भव्य रैली, नारों की गूंज व Z कार्ड वितरण से जागरुकता

शनान, संजौली में एक भव्य जागरुकता रैली निकाली गई जिसमें युवाओं और महिलाओं के अलावा बुजुर्गों ने भी भाग लिया और **ज़िंदगी जियें-नशा नहीं**, **हमने ये ठाना है-नशामुक्त हिमाचल बनाना है, संस्था का यही ऐलान-नशामुक्त नशामुक्त हिमाचल अभियान** आदि नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा । शनान क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों ने ट्रकों, बसों एवं अन्य वाहनों के चालक–परिचालकों एवं यात्रियों को ' कार्ड बांट कर जागरुकता की । यह रैली शनान, मल्याणा, बाईपास सड़क एवं शनान में घरों एवं दुकानों में जाकर की गई ।

प्रदेश में अभियान की सफलता व समर्थन

आईआईआरडी के इस अभियान में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ है । संस्था को प्रदेश के विभिन्न युवा मंडलों एवं महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, ट्रस्ट, ग़ैर सरकारी संस्थाओं आदि ने सहयोग किया है । राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक कल्याण संस्था उद्घोष, हिंद सेवा संगठन, राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित नव ज्योति युवा मंडल भड़ेच, प्रभात युवा विकास संगठन कोहबाग, स्वयं सहायता समूह मकड़ोग, नव किरण युवा मंडल कन्हेची, स्वयं सहायता समूह एवं महिला मंडल शनान, स्कूल प्रबंधन समिति कोहबाग, प्रदेश भर में एसएमसी एवं विद्यालयों के प्रमुखों एवं अभिभावकों तथा अन्य संस्थाओं ने इस अभियान को समर्थन एवं सहयोग किया है ।

मिशन रीव का सहयोग

आईआईआरडी के इस जन अभियान को प्रदेश भर में मिशन रीव के स्वयंसेवियों ने बखुबी आम जन तक पहुंचाने के लिए प्रयास किए हैं । 5 सितंबर को भी मिशन रीव ने अपने स्तर पर स्कूलों में प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर इस अभियान को दिशा दी ।

क्या कहते हैं परिणाम

इस अभियान में कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं जिससे नशे की गिरफ्त में युवा किस कद्र आ चुका है, इसका अंदाज़ा लगाना आसान हो जाता है । बच्चों ने प्रतियोगिताओं में अपने संबोधन में हालांकि नशे से बचने की अपील तो की परंतु स्थितियों की विवशता समझ से परे हैं इसके लिए न केवल समाज के जागरुक लोग, सरकार चिंतित है बल्कि बच्चों के अभिभावकों में इस डर को स्पष्ट देखा जा सकता है । अभिभावकों से बात करने पर बच्चों के प्रति चिंता दिखाई दी । अभिभावकों ने कहा कि बच्चें स्कूल तो जाते हैं किंतु नशे की आदत धीरे–धीरे बच्चों को भटकाव की स्थिति में ला रही है । बच्चे संगत में बीड़ी–सिगरेट आदि से शुरुआत करते हैं तथा उसके बाद भांग, शराब से आदत को मजबूरी बनाकर नशे की लत में पड़ रहे हैं । यहीं से अपराध की भी शुरुआत हो जाती है .....शेष पेज 7 पर

अभियान पर जनता की राय

यह कार्यक्रम सराहनीय प्रयास है क्योंकि यह समाज की गंभीर समस्या पर चोट करती है जिससे समाज खोखला होता जा रहा है।

हरि दास गर्ग, एसएमसी प्रधान कोहबाग

मैं मुक्तकंठ से इस अभियान की प्रशंसा करता हूं जिससे प्रदेशभर में बच्चों और युवाओं के माध्यम से जागरुकता की अलख जगाई जा रही है । हमारी संस्था इस अभियान को भरपूर समर्थन करती है ।

सुरेन्द्र शर्मा, संरक्षक, नव ज्योति युवा मंडल भड़ेच

आईआईआरडी ने प्रदेश में एक बेहतरीन मुहिम से लोगों को जागरुक करने का सराहनीय प्रयास किया है। इसकी आवश्यकता भी आज समय की मांग है। समाज को इस कोढ़ से मुक्त करने लिए संस्था को बधाई ।

डॉ0 मनोरमा शर्मा, सेवानिवृत प्रोफेसर, संगीत विभाग, हि.प्र. विश्वविद्यालय

हिमाचल को नशे से मुक्त कर युवाओं को सही दिशा एवं मार्गदर्शन करने की आवश्यकता है । यह प्रयास इसी कड़ी का एक भाग है । हिंद सेवा संगठन इसका समर्थन करता है ।

सुषमा शर्मा, हिंद सेवा संगठन

द रीव टाइम्स अपने इस अंक को नशामुक्त हिमाचल अभियान को समर्पित करता है। संस्था के इस प्रयास की समाचार पत्र सराहना करता है तथा समाचार पत्र में समस्त गतिविधियों, प्रतियोगिता विजेताओं के चित्र व जानकारी, स्वयंसेवियों की स्वैच्छिक सेवाओं का विवरण आदि प्रकाशित कर उन्हें सम्मानित करता है । इस मुहिम के लिए शुभ कामनाऐं ।

आन्नद नायर, प्रबंध संपादक, द रीव टाइम्स

आईआईआरडी का यह प्रयास जन–जन तक पहुंचाने का उत्तरदायित्व हम सभी पर है। इस अभियान को सार्थक पहल एवं व्यवहारिक पहलुओं के साथ अंजाम तक लाने के लिए सभी को एक साथ कहना होगा – **ज़िंदगी जियें, नशे को नहीं** क्योंकि स्वयं की जागरुकता में ही राष्ट्र की जागरुकता समाहित है। इस अभियान को 2 अक्तुबर तक तो नियमित रुप से चलाया जा रहा है परन्तु इसे निरंतर प्रत्येक कार्यक्रम का भाग बनाया जाएगा

हेम राज चौहान, राज्य अभियान प्रभारी

नशा मुक्त हिमाचल अभियान : झलकियां

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहबाग में नशामुक्त हिमाचल अभियान का शानदार आगाज़

टीम रीव, शिमला

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहबाग में नशामुक्त हिमाचल अभियान का शानदार आगाज़ हुआ । आईआईआरडी द्वारा इस कार्यक्रम को बच्चों के मध्य संभाषण प्रतियोगिता आदि के माध्यम से विद्यालय एवं एसएमसी के सहयोग से करवाया गया । कार्यक्रम में 400 के लगभग बच्चों, अध्यापकों, अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया । कुल 30 बच्चों ने विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिता में भाग लिया । ये प्रतियोगिताऐं 6–8, 9–10, 11–12 कक्षाओं में आयोजित करवाई गई । बच्चों ने 'ज़िंदगी जियें–नशे को नहीं' विषय के साथ संभाषण में सभी का मन मोह लिया । नशा किस प्रकार स्वयं से परिवार और समाज को खोखला करता जा रहा है, इस पर विद्यार्थियों ने बेहद खूबसूरत प्रस्तुतियों में मंच पर साझा किया । संभाषण में बच्चों ने विद्यालय और इसके आसपास नशे की बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताई तथा संकल्प लेकर नशे से दूर रहने की बात भी कही । किस प्रकार नशा हमें और हमारे समाज को नष्ट कर रहा है , इस पर जानकारी दी गई ।

गौरतलब है कि आईआईआरडी ने पूरे हिमाचल में 5 सितंबर से नशामुक्त हिमाचल अभियान आरंभ किया गया जिसमें प्रदेश के अधिकतर विद्यालयों में नशे के प्रति जागरुकता और इसके बचाव पर विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिताऐं करवाई गई जो कि विभिन्न चरणों से होकर 2 अक्तुबर को राज्यस्तरीय कार्यक्रम में समापन तक पहुंचेगी । इस बीच खण्डस्तर और ज़िला स्तर पर प्रतियोगिताओं के बाद 2 अक्तुबर को राज्य स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित होगी तथा इस दिन विजेता प्रतियोगियों को संस्था सम्मानित भी करेगी । इसी श्रृंखला में कोहबाग विद्यालय में इस आयोजन को आमजन तक पहुंचाने के लिए भव्य स्तर पर आयोजन किया गया । इसमें स्कूल प्रबन्धन समिति एवं विद्यालय के अध्यापक एवं ग़ैर अध्यापक वर्ग ने इस आयोजन में सहयोग किया । कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र चौहान, एसएमसी प्रधान हरिदास गर्ग, बीडीसी चेयरमैन मशोबरा मीना कुमारी, ग्राम पंचायत घेच कोहबाग एवं मायली जेजड़ के उपप्रधान तथा एसएमसी के सदस्यों व अभिभावकों के अलावा दो पंचायतों के बुजुर्गों एवं लोगों ने भाग लिया । उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया तथा संस्था के इस सामाजिक कार्य की सराहना की । प्रधानाचार्य राजेन्द्र चौहान ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज को एक सकारात्मक दिशा की ओर ले जाते हैं जिसके लिए आईआईआरडी की सराहना करते हैं । एसएमसी प्रधान हरिदास गर्ग ने कहा कि आज समाज को नशे के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की आवश्यकता है । प्रदेश भर में इसके लिए जो प्रयास किए हैं उसके लिए उन्हें जितनी प्रशंसा दी जाए कम ही है । उन्होंने संस्था के इस प्रदेशव्यापी मुहिम के राज्य प्रभारी एवं स्कूल के पुराने विद्यार्थी हेमराज चौहान का धन्यवाद भी किया जिन्होंने इस कार्यक्रम का संयोजन इस विद्यालय में किया ।

विजेता प्रतिभागियों में इन बच्चों ने अपना स्थान हासिल किया :

6-8वीं कक्षा में

- प्रथम स्थान पर 6ठीं कक्षा के करण ने बाजी मारी
- द्वितीय स्थान पर 7वीं कक्षा की रिशिता ने बाजी मारी
- तृतीय स्थान पर 7वीं कक्षा की नेहा रहीं

9-10वीं कक्षा में

- प्रथम स्थान पर 9वीं कक्षा की कृतिका रहीं
- जबकि द्वितीय स्थान पर 10वीं कक्षा की रंजना ने बाजी मारी

11-12वीं कक्षा में

- प्रथम स्थान पर 12वीं कक्षा की भावना रहीं
- द्वितीय स्थान पर 11वीं कक्षा के हिमांशु रहे
- तृतीय स्थान पर 12वीं कक्षा की आरती रहीं

सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को आईआईआरडी की ओर से प्रमाण पत्र एवं पेन देकर सम्मानित किया गया । प्रधानाचार्य, एसएमसी प्रधान, बीडीसी चेयरमैन ने इन्हें सम्मानित किया । इस अवसर पर सभी के लिए धाम का प्रबन्ध भी किया गया । इसी प्रकार के बड़े स्तर का आयोजन आईआईआरडी भविष्य में कोहबाग विद्यालय में करवाएगा ।

काजा में जल्द लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

लोगों को घर पर ही मिलेगी स्वास्थ्य जांच की सुविधा

टीम रीव, किन्नौर

काजा में दूर–दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए जल्द ही मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में स्वास्थ्य स्लेट और मोबाइल लैब के माध्यम से स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इस दौरान टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जाएगा। प्रदेश के अन्य जिलों की तर्ज पर अब मिशन रीव के तहत किन्नौर में रीव मोबाइल लैब से स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू हो गए हैं। साथ ही स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की जांच घर पर ही की जा रही है। शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ ही रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सीय परामर्श भी लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस प्रयास की प्रशंसा भी ग्रामीण क्षेत्रों मे खूब की जा रही है। इस शिविर में मोबाइल बाइक लैब से लोगों के रक्त की जांच की जाती है। इनमें मिशन रीव के सदस्यों को निशुल्क सेवाएं दी गई। इसके लिए आईआईआरडी शिमला कार्यालय में लैब तकनिकी सहायक को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। आईआईआडी लैब से ब्लॉक स्तर पर 70 से अधिक टेस्ट कराने की सुविधा उपलब्ध है।

कोटखाई में तेजस ने मारी बाजी

टीम रीव, शिमला

जिंदगी जियें नशें को नहीं थीम को लेकर अन्य स्कूलों की तरह कोटखाई स्कूल में भी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही छात्रों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस प्रतियोगिता में तेजस ने पहला, राज ने दूसरा और प्रियांशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

हिमाचल को नशा मुक्त करने के लिए आईआईआरडी की ओर से की जा रही इस अनोखी पहल की विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की ओर से जमकर प्रशंसा की। कोटखाई निवासी संगीता देवी ने बताया कि आज बच्चों को नशे दूर रखने के लिए उन्हें बचपन से ही नशे से दूर रहने की शिक्षा दी जानी चाहिए।

लोगो का कहना है कि आईआईआरडी की ओर जो पहल की गई है वह काफी सराहनीय है। इस अभियान से स्कूल के बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावक भी नशे के खिलाफ जागरूक हो रहे हैं।

जिंदगी जियें नशे को नहीं प्रतियोगिता

सेंट थॉम्स में गौरी ने हासिल किया पहला स्थान

टीम रीव, शिमला

आईआईआरडी की ओर से पांच सितंबर को प्रदेश भर में नशे के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में सेंट थॉम्स स्कूल में भी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 23 विद्यार्थियों ने भाग ने भाग लिया। इसमें गौरी शर्मा ने पहला, आदित्य शर्मा ने दूसरा और श्रुति घारू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। आईआईआरडी की ओर से इस आयोजन को सफल बनाने में संदीप शर्मा ने अहम योगदान दिया। इसके साथ ही स्कूल अध्यापकों और विद्यार्थियों की ओर से भी इस अभियान की जमकर प्रशंसा की गई। प्रतियोगिता के दौरान आईआईआरडी की ओर से विद्यार्थियों को जिंदगी जियें नशे को नहीं थीम दी गई थी। इस थीम पर छात्रों की ओर से बेहद संजीदा विचार प्रस्तुत किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने भाषण के माध्यम से युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने पर विशेष बल दिया। प्रतियोगिता में सफल रहने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए आईआईआरडी की ओर से सर्टीफिकेट प्रदान किए गए।

आईआईआरडी शिमला में खुलेगा नशा निवारण केंद्र

टीम रीव, शिमला

आईआईआरडी की ओर से नशे के खिलाफ छेड़ी गई जंग के तहत जल्द ही एक नई पहल की जा रही है। नशे की गर्त में जा चुके युवाओं और अन्य लोगों को बाहर लाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर नशा निवारण परामर्श केंद्र खोले जाएंगे। आईआईआरडी शिमला में भी इस तरह का परामर्श केंद्र खोला जाएगा। यहां पर विशेषज्ञों की सहायता उन लोगों की काउंसलिंग की जाएगी जो नशे को छोड़ने के इच्छुक हैं। इसके साथ ही अभिभावकों और बच्चों को भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी आईआईआरडी अपने स्तर पर जागरूक करेगा।

उल्लेखनीय है कि आईआईआरडी की ओर से बीते पांच सितंबर से नशे के खिलाफ विशेष अभियान की शुरूआत की गई है। 5 सितंबर के मौके पर आईआईआरडी ने विभिन्न महिला मंडलों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर शनान में एक जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान लोगों को विशेष तौर पर तैयार जैड कार्ड भी बांटे गए। जैड कार्ड में नशे के दुष्परिणामों और इससे बचाव के बारे में जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों के साथ साथ विभिन्न वाहन चालकों, खासकर ट्रक चालकों को भी यह कार्ड बांटे गए। सभी लोगों की ओर से अभियान की जमकर प्रशंसा की गई।

उपरी शिमला के स्कूलों में भी नशा मुक्त अभियान का जादू

विभिन्न स्कलों में गतिविधियों का आयोजन

टीम रीव, शिमला

जिंदगी जियें, नशें को नहीं, इस थीम पर शिमला से शुरू हुए अभियान की गूंज शिमला के दूर दराज स्कूलों तक सुनाई दी। अभियान के तहत मासली चिढ़गांव छोहारा स्कूल, चांशल पब्लिक स्कूल संडासू समेत अन्य कई स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान भाषण प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा नशा निवारण की थीम को लेकर मनमोहक चित्र बनाए गए। चित्र के माध्यम से बच्चों ने संदेश दिया कि वक्त रहते नशें को न कहें नही तो नशा आपको खा जाएगा। इसी तरह के कई अन्य संदेश भी स्कूली छात्रों की ओर से चित्रों और पोस्टरों के माध्यम से दिए गए। अभिभावकों के साथ–साथ स्कूल के अध्यापकों ने भी इस अभियान की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन करने से जहां बच्चों की क्रिएटीविटी बढ़ती है वहीं सामाजिक कुरितियों को दूर करने के प्रति भी युवा वर्ग जागरूक होता है। वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मासली में चित्रकला प्रतियोगिता में महेश ने पहला, दिनेश ने दूसरा और राकेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रिज इंटरनेश्नल पब्लिक स्कूल चिढ़गांव में निबंध लेखन में शैलजा ने पहला, सुषमा ने दूसरा और रेखा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चांशल पब्लिक स्कूल संधाशु में भाषण प्रतियोगित में बलजीत ने पहला, गीता ने दूसरा और संगीता ने तीसरा स्थान हासिल किया। बाशाधार स्कूल में चित्रकला में विवेक ने पहला, नीतिका ने दूसरा और शुभम ने तीसरा स्थान हासिल किया। सरोट स्कूल में अनिक ने पहला, स्नेहा ने दूसरा और वंशिका ने तीसरा स्थान हासिल किया।

सनाहू वासियों ने आईआईआरडी के साथ मिलकर संभाली कमान

टीम रीव, शिमला

सनाहू गांव में महिलाओं , बच्चों और स्थानीय लोगों ने आईआईआरडी के नशा मुक्त अभियान को आगे ले जाने का बीड़ा उठाया। इसके तहत गांव में दुर्गा शक्ति स्वंय सहायता समूह की सदस्यों और अन्य लोगों ने जागरूकता रैली निकाली। बच्चे इस रैली का विशेष हिस्सा रहे। हाथ में बैनर लेकर बच्चों ने घर –घर जाकर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। इस रैली में निशा ठाकुर, रीना, पूनम, सुषमा, आशा, मीनाक्षी, इंद्रा वर्मा, नीरा, संगीता, नीलम, यशोदा व कमला देवी और मनमोहन सिंह, युगल प्रताप शंकर, भारत भूषण, नरेंद्र ठाकुर ने अपना योगदान दिया और लोगो को नशे के खिलाफ जागरूक किया।

इस दौरान नरेंद्र ठाकुर ने आईआईआरडी के प्रतिनिधि के तौर पर रैली की अध्यक्षता की और नशे से बचाव और जागरूकता को लेकर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आईआईआरडी की यह पहल काफी सराहनीय है क्योंकि इससे गांव में पंचायत स्तर पर जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है जो नशे की बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए काफी अहम है।

नशा मुक्त हिमाचल

टीम रीव, सिरमौर

हिमाचल को नशामुक्त करने के लिए आईआईआरडी की ओर से पांच सितंबर से शुरू किए गए प्रदेशव्यापी अभियान के तहत कई गविविधियां आयोजित की गई। इसी कड़ी में राजकीय माध्यमिक पाठशाला शिलाई में भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में 8 और चित्रकला प्रतियोगिता में 25 छात्रों ने भाग लिया। भाषण में जूनियर वर्ग में कक्षा छह के विशाल ने पहला, अकांक्षा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में आठवीं के नवीन ने पहला, और सातवीं कक्षा की निशा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में सातवीं कक्षा की स्नेहा नेगी ने पहला, आठवीं की सोनाक्षी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह सीनियर वर्ग में नवीं कक्षा की स्नेहा वर्मा ने पहला और दसवीं कक्षा के नितिन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य प्रताप चौहान विशेष तौर पर मौजूद रहे और उन्होंने आईआईआरडी के अभियान की प्रशंसा की। इसी तरह नैनीधार में भी प्रतियोगिता का आयोजन किया।

सोलन में भाषण और चित्रों से नशे के खिलाफ आवाज

विद्यार्थियों के साथ अभिभावक भी आए आगे

टीम रीव, सोलन

नशे के खिलाफ अभियान के अंतर्गत सोलन के विभिन्न स्कूलों में पांच सितंबर को चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कंडाघाट के गौरा स्कूल में 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में आस्था ने पहला, रंजना ने दूसरा और अक्षिता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह सोलन के राजकीय माध्यमिक स्कूल धारजा में 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में कुसुम ने पहला, उपासना ने दूसरा और शिल्पा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में कविता ने पहला और प्रांजलि ने दूसरा और हिमानी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सराहन में चित्रकला प्रतियोगिता में रीतिका ने पहला, प्रिया ने दूसरा और पूजा ने तीसरा स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में महक ने पहला , कनिका ने दूसरा व अंबिका ने तीसरा स्थान हासिल किया। धर्मपुर के दुर्गा धारड़ी स्कूल में चित्रकला में दिव्यांशु तलवार ने पहला, रोहित ने दूसरा और हनीश ने तीसरा स्थान हासिल किया। जबकि भाषण प्रतियोगिता में निर्मला ने पहला, मनोज ने दूसरा और जतिन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कुनिहार के जब्बल स्कूल में चित्रकला नीलाक्षी ने पहला, सागर ने दूसरा और अंकित वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्राची शर्मा ने पहला, सूरज ने दूसरा और उमेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बुघार स्कूल में चित्रकला में तरूणा ने पहला, आशा ने दूसरा और ज्योति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि भाषण प्रतियोगिता में दिया पहले, नीरज दूसरे और सुनील तीसरे स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगित में नीरज ने पहला, द्रिया ने दूसरा और कल्पना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सतश्री बीबी स्कूल भाषण मे प्रतियोगिता में अदित्य ने पहला, भशेर ने दूसरा और आरती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में आरती ने पहला, आदित्य ने दूसरा और हीना ने तीसरा स्थान हासिल किया।

ऊना में नशे के खिलाफ छात्रों ने भरी हुंकार

विभिन्न स्कूलों में प्रतियोगिताओं का आयोजन

टीम रीव, ऊना

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह ऊना में भी पांच सितंबर को आईआईआरडी की ओर से विभिन्न स्कूलों में गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत ऊना के राजकीय उच्च विद्यालय लमलैहड़ी में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर वर्ग में चित्रकला में 6वीं से 8वीं कक्षा तक के 9 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें इंद्रजीत ने पहला, अंजली ने दूसरा और रीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में गुलशन ने पहला, ईशा रानी ने दूसरा और तमन्ना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में ज्योति ने पहला और अभिषेक ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह सीनियर वर्ग में प्रशांत ने पहला, सिमरन ने दूसरा और नेहा ने तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं माध्यमिक स्कूल गगरेट में आयोजित प्रतियोगिता में चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में शिल्पा ने पहला , सिया ने दूसरा व कविता ने तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं सीनियर वर्ग में रिया ने पहला, साहिल ने दूसरा और श्रुति ने तीसरा स्थान हासिल किया। जबकि भाषण प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में आयुष ने पहला, अविशा ने दूसरा और नीतिन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में अभिनव ने पहला, अंशिका ने दूसरा और पल्लवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सोलन में स्वास्थ्य स्लेट से स्वास्थ्य देखभाल

घर पर ही टेस्ट सुविधा मिलने से ग्रामीणों को राहत

टीम रीव, सोलन

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को उनके घर पर ही टेस्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके चलते गांव में लोगों को काफी राहत है क्योंकि लोगों को बेसिक टेस्ट कराने के लिए शहरों में अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट करवाने के बाद लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए है। सोलन के 65 वर्षीय दुर्गादास का कहना है कि अब उन्हें हर माह अस्पताल नहीं जाना पड़ता और उनका शुगर और बीपी का टेस्ट घर पर ही हो जाता है। इसे उन्होंने काफी राहत महसूस की है।

अपने ही गांव में रोजगार का मौका

गांवों में विकास का पर्याय बना मिशन रीव

टीम रीव, सोलन

सोलन ज़िले में मिशन रीव के तहत विभिन्न तरह की सेवाएं प्रदान की जा रही है। सेवाओं के साथ ही मिशन रीव ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने के सबसे बड़े मिशन की ओर अग्रसर है।

ज़िले के अनेक बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जा चुका है तथा वे सभी ग्रामीण स्तर, खण्ड स्तर एवं ज़िला स्तर पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अभी भी यह प्रक्रिया जारी है।

जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ज़िला में विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। इससे किसानों में रासायनिक खाद को छोड़कर जैविक खाद बनाने व उपयोग करने की प्रक्रिया को अपनाने के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ी है। पंचायतों में फेसिलिटेटर पंचायत मुखियाओं से संपर्क कर गांव–गांव जाकर लोगों से सीधा संपर्क साध रहे हैं और उनकी समस्याओं को जानकर उनका निवारण भी कर रहे हैं। लोगों की मांग पर कम कीमत में फूलों का बीज, मटर तथा मक्की का बीज लोगों को उनके घर पर ही प्रदान किया जा रहा है।

ऑनलाईन सेवाओं के बारे में आम ग्रामीणों को निरंतर जागरुक किया जा रहा है तथा किस प्रकार ऑनलाईन बिजली के बिल, टेलिफोन एवं अन्य बिलों का भुगतान अपने मोबाइल से ही घर बैठे कर सकते हैं, इसकी जानकारी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दी जा रही है। मिशन रीव से गांव में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

घर पर ही मिल रहा जरूरत का सामान

टीम रीव, सिरमौर

मिशन रीव द्वारा लोगों को गांवों में ही उनके घर पर वह सामान पहुंचाया जा रहा है जिसके लिए पहले उन्हें कई किलोमीटर का सफर तय करके बाजार जाना पड़ता था। विभिन्न सेवाओं के साथ ही अब लोगों को रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी उनके अपने घर में ही मिशन रीव के तहत पहुंचाया जा रहा है।

लोगों की जरूरतों का आंकलन करने के लिए विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जा रहा है और साथ ही घर पर जाकर भी उनकी जरूरतें पूछी जा रही है। इस दौरान मिशन रीव के तहत गांवों में दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में भी जानकारी भी लोगों को दी जा रही है। सिरमौर की दूरदराज की कई पंचायतों में में इस तरह के शिविरों का आयोजन करीब एक सप्ताह तक किया गया। इसके बाद लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से सामान उनके घर पर ही उपलब्ध करवाया गया। इसमें क्रॉकरी, डिटर्जेंट, शैंपू समेत अन्य सामान लोगों को उनके घर पर ही उपलब्ध कराया गया।

मिशन रीव के अंतर्गत लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे विभिन्न तरह के सामान और सेवाओं से लोगों में भी काफी खुशी है। लोगों का कहना है कि पहले उन्हें छोटी–छोटी चीजों को खरीदने के लिए बाजार जाना पड़ रहा था लेकिन अब मिशन रीव के तहत उन्हें हर तरह की सुविधाएं घर पर ही मिल रही है। इससे उनके समय और पैसे दोनों की ही बचत हो रही है। शिलाई निवासी अजय, रीता व अन्य लोगों का कहना है कि मिशन रीव के जरिए वह रोजमर्रा की जरूरत का सामान आसानी से प्राप्त कर पा रह हैं। इसके साथ ही पशुओं के लिए फीड सप्लीमेंट भी उपलब्ध कराई गई।

कांगड़ा में नशे के खिलाफ आवाज बुलंद

टीम रीव, कांगड़ा

कांगड़ा जिले में एक साथ सैंकड़ों विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ आवाज बुलंद की। किसी ने चित्र तो किसी ने भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से एक साथ मिलकर नशे से दूर रहने के लिए लोगों को जागरूक किया। आईआईआरडी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की स्कूल प्रशासन और विद्यार्थियों के अभिभावकों की ओर से खूब प्रशंसा की गई।

स्कूलों में आयोजित कार्यक्रम की कड़ी में लंबागांव ब्लॉक के जयसिंहपुर में भाषण प्रतियोगिता में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में सचिन राणा ने पहला, सरीता ने दूसरा, सचिन वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं से 10वीं कक्षा वर्ग में नितीश धीमान ने पहला, विनय कुमार ने दूसरा और विशाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

टंबर स्कूल में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में अंकित पठानिया ने पहला, कुणाल ने दूसरा और दीप्ति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में प्रियंका ने पहला, मनीश ने दूसरा और शेखर कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कुहना स्कूल में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में संजय ने पहला, रंजीत ने दूसरा और रोशन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कुहना स्कूल में 9वीं से 10वीं कक्षा वर्ग में रिया ने पहला, कामाक्षी ने दूसरा और शिखा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पुनानी स्कूल में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में विकास ने पहला, वंश ने दूसरा और अर्जुन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में स्माइल ने पहला, सिमरन ने दूसरा और कार्तिक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

लेक व्यू पब्लिक स्कूल में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में ईशा ने पहला, प्रांजल ने दूसरा और समीक्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं से 10वीं कक्षा वर्ग में श्यामली ने पहला, विजय ने दूसरा ओर विवेक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रिरकमर स्कूल में भाषण प्रतियोगिता में रिशब ने पहला, आर्यन ने दूसरा और खुशबू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सलेहड़ा स्कूल में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में ज्योति ने पहला, नेहा ने दूसरा और मोहित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं से 10वीं कक्षा वर्ग में मीनाक्षी ने पहला, कार्तिक ने दूसरा और बाब्लिन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भाषण और चित्रों से दिया संदेश

टीम रीव, बिलासपुर

नशा मुक्त हिमाचल अभियान के तहत घुमारवीं के शिवा इंटरनेशनल स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कृष मांगा ने पहला पलक शर्मा ने दूसरा, अमन्या शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता कराने के साथ साथ कार्यक्रम के दौरान आईआईआरडी के प्रतिनिधियों की ओर से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर आईआईआरडी शिमला से नशे के खिलाफ प्रदेश स्तरीय अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों के स्कूलों में एक माह तक विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। स्कूलों में जिंदगी जियें नशे को नहीं थीम पर भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को आईआईआरडी की ओर से सर्टीफिकेट प्रदान किए जा रहे हैं। छात्रों के साथ अभिभावकों को जागरूक करने के लिए भी आईआईआरडी की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसमें महिला मंडल, स्वंय सहायता समूह और अन्य संगठनों को साथ लेकर जागरूक किया जा रहा है।

बिलासपुर में भी बनेगी जैविक खाद

आसान हुई जैविक खेती की राह

टीम रीव, बिलासपुर

मिशन रीव के तहत बिलासपुर की विभिन्न पंचायतों में भी जल्द ही जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत दिया जाएगा। इतना ही नहीं अगर कोई जैविक खाद बनाकर उसकी बिक्री करना चाहता है तो आईआईआरडी की ओर मिशन रीव के तहत उसे वह खाद खरीद कर मुनाफा कमाने का अवसर मिलेगा।

अभी तक प्रदेश के अन्य जिलों की पंचायतों में ही तीन हजार से से अधिक किसानों को जैविक खाद बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत लोगों को दिया जा चुका है।

निशुल्क प्रशिक्षण से सैंकड़ों किसानों को मिलेगा लाभ

बिलासपुर के घुमारवीं में कुलदीप, सुनीता, बिमला व अन्य लोगों ने बताया कि वह मिशन रीव के तहत खाद बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रह हैं और कुछ दिन बाद ही जैविक खाद तैयार कर लेंगे। मिशन के तहत यह प्रशिक्षण निशुल्क दिया जा रहा है, जिसका हजारों किसान लाभ उठा रहे हैं।

लोग मिशन रीव के इस प्रयास से काफी खुश है। मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने गांव के लोगों को इसका निशुल्क प्रशिक्षण देकर बेहतरीन कार्य किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह है कि लोगों को प्रशिक्षण लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और न ही सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ेंगे।

लोगों को दी मिशन रीव की जानकारी

बिलासपुर में घर-घर मिल रही सेवा

टीम रीव, बिलासपुर

हिमाचल में आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां लोगों को बाजार तक पहुंचने के कई किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है। इसके साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ भी लोगों तक जानकारी नहीं पहुंच पा रही। लोगों की इसी समस्या को दूर करने के लिए मिश्न रीव के तहत लोगों की जरूरतों को पहचाना गया बल्कि उनकी जरूरतों को पूरा भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में इसके लिए मिशन रीव के तहत पंचायत में तैनात आईआईआरडी के प्रतिनिधि विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

हाल ही में बिलासपुर की पडयालग, दाबला, कासरू, बेरीराजदियां, हंबोट पंचायत में इसी तरह के शिविरों का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिला मंडल, स्वंय सहायता समूह और स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

लोगों को मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा रहे एनीमल फूड सप्लीमेंट की जानकारी दी गई। इसके साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न तरह का सामान ग्रामीणों के घरों तक मिशन रीव के प्रतिनिधियों द्वारा पहुंचाया गया।

इस दौरान लोगों ने पशुधन के माध्यम से आर्थिकी मजबूत करने पर चर्चा की और मिशन रीव के तहत एनीमल फूड सप्लीमेंट उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद उन्हें सप्लीमेंट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिसके काफी बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। पशुपालकों का कहना है कि मिशन रीव के तहत एनीमल फूड सप्लीमेंट से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और दूध की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। इसके अलावा इन क्षेत्रों में रोजमर्रा की जरूरत का सामान जैसे साबुन, क्रॉकरी, शैंपू आदि भी लोगों को घरों तक पहुचांया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितो की मदद के लिए आगे आए छात्रा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बुधन में केरला राज्य में भीषण प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों की सहायता के लिए 5100/– (पांच हज़ार एक सौ रूपये) विद्यार्थियों तथा समस्त स्टाफ सदस्यों द्वारा एकत्र कर सहायता राशि प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गयी। आपदा से पीड़ित लोगों के लिए सहायता राशि एकत्रित करने के लिए विद्यार्थियों में शुभम, हर्षदीप, आकांक्षा, सपना, वरूण, खुशबु, अनु, अंजली, शानू, दीक्षा प्रिय, कोमल, साहिल, आदित्य, निखिल, मुनीश, नेहा, ऋषभ, काजल, सचिन, अंकित, निशांत ने सहयोग दिया। प्रधनाचार्य जोगराज डोगरा ने बच्चों को मानवता की सहायता के लिए आगे आने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर अनिल कुमार, रवि कुमार, सुरेश कुमार, अमरजीत, राजीव कुमार, बलवंत सिंह, प्यारे लाल, नरेश कुमार, जगदीश चंद, सुरेश कुमार, शबनम कुमारी, जगदीश चंद, अम्बिका रानी, कल्पना शर्मा, शालू देवी उपस्थित रहे।

पशुओं के स्वास्थ्य के साथ दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी

फीड सप्लीमेंट के सकारात्मक परिणामों से पशुपालक खुश

टीम रीव, हमीरपुर

मिशन रीव के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पशुधन को बढ़ावा देकर पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में मिशन रीव के तहत पंचायतों में पशुपालकों को मिडा फीड उपलब्ध कराई जा रही है। इस उत्पाद के बेहतरीन और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। फीड सप्लीमेंट खिलाने वाले कुछ पशुपालकों से मिशन रीव की ओर से बात की गई तो पशुपालकों ने बताया कि फीड सप्लीमेंट से दुधारू पशुओं में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। फीड सप्लीमेंट खिलाने के चार दिन के बाद ही जहां दूध की मात्रा में सुधार हुआ हैं वहीं पशुओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।

हमीरपुर में मिशन रीव के तहत पंचायत में पहले लोगों को जागरूक किया और रीव के तहत उपलब्ध करवाए जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी।

हमीरपुर के रतीराम ने बताया कि इसी फीड को नियमनुसार अपनी दूध देने वाली भैंस को चार–पांच दिन खिलाया। इसके बाद उन्होने मिशन रीव को बताया कि कुछ ही दिनों के भीतर दूध में फैट और मात्रा में

जलाड़ी और चोडू पंचायत के लोगों का स्वास्थ्य जांचा

स्वास्थ्य स्लेट से लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल

टीम रीव, हमीरपुर

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को उनके घर पर ही टेस्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह हमीरपुर के लोगों को भी यह सुविधा मिल रही है। घर पर ही टेस्ट सुविधा मिलने इसके चलते गांव में लोगों को काफी राहत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषशता यह है कि अब बेसिक टेस्ट कराने के लिए शहरों में अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट करवाने के बाद लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए है। हर घर में टेस्ट सुविधा देने के साथ ही गांव में स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से जांच शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। हाल ही में इस तरह के कैंप जलाड़ी और चोडू पंचायत में आयोजित किए गए। पीएफ रजनीश भारद्वाज ने बताया कि घर पर ही टेस्ट कराने की सुविधा मिलने से लोग काफी संतुष्ट हैं।

घर पर ही मिल रही है टेस्ट की सुविधा

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे लोग

स्वास्थ्य स्लेट के लाभ

स्वास्थ्य स्लेट से वह सभी टेस्ट किए जातो हैं जिनसे किसी भी व्यक्ति को होने वाले रोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। स्वास्थ्य स्लेट से एचबी, बीपी और शुगर समेत हेमोग्लोबिन टेस्ट, शुगर टेस्ट मधुमेह (सामान्य शुगर 80–120), रक्तचाप बीपी, पल्स आक्सीमीटर, टाइफाइड टेस्ट करने की सुविधा है।

मंडी में नशा निवारण अभियान का हिस्सा बने छात्र

टीम रीव, मंडी

जिला मंडी के विभिन्न स्कूलों में नशे के खिलाफ उस समय सभी ने एक साथ आवाज उठाई जब आईआईआरडी की ओर से शिमला मुख्यालय से इस नशा मुक्ति अभियान का आगाज किया गया। इस अभियान के तहत मंडी के सरस्वति विद्या मंदिर स्कूल में 6वीं व 8वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में अखिल ने पहला, पायल ने दूसरा और वैशाली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में योगिता, डिंपल और नगन्य ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में गौरव ने पहला, अंकिता ने दूसरा और रीतिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में संजना पहले, भारती दूसरे और निशांत तीसरे स्थान पर रहे। धारगलू स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता में 6वीं व 8वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में सूरज ने पहला, तमन्ना ने दूसरा और दीक्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में पुष्पा, विशाल और दीक्षा क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

रिवालसर स्कूल में 6वीं व 8वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में दिव्या पहले, वंशिका दूसरे और तृप्ता तीसरे स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में दीपक, मंजू और हर्षित ने क्रमवार पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। 9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में नमन ने पहला, मीना ने दूसरा और कनिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में हीना, रजत और तारा क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। 11वीं व 12वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में रजनी ने पहला, आरती ने दूसरा और पल्लवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में योगराज, ललीता और रोहित ठाकुर क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

सिल्वर ओक पब्लिक स्कूल में 6वीं व 8वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में रितिक पहले, विशाल व आर्शिल दूसरे और पारस तीसरे स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में तरूण पहले और विभा पहले व दूसरे स्थान पर रहे।

9वीं व 10वीं कक्षा वर्ग में प्रियंका ने चित्रकला और उत्कर्श ने बेहतर प्रदर्शन किया। मोनाल पब्लिक स्कूल में 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में अंकित ने पहला और हिमांशु ने दूसरा व कृतिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बच्चों ने दिया नशे से दूर रहने का संदेश

टीम रीव, कुल्लू

नशे के खिलाफ अभियान के तहत आईआईआरडी की ओर से विभिन्न स्कूलों में आयोजित की जा रही गतिविधियों की कड़ी में कुल्लू में नग्गर ब्लॉक के तहत आने वाले वरिष्ठ स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य सहित स्टाफ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों का उत्साह देखने लायक था। सभी ने अपने–अपने ढंग से नशे के खिलाफ अपने विचारों को व्यक्त किया। यह प्रतियोगिता दो वर्गो में आयोजित की गई। सीनियर वर्ग में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सिमरन ने पहला, आदिती ने दूसरा और सालोनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस वर्ग में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में सिमरन ने पहला और सलोनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में ईशा ने पहला, सौरव ने दूसरा और गंगा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में किरण प्रथम रहीं।

FLYERS GROUP
PRIVATE LIMITED

PRODUCTS		FGPL RATE	MARKET RATE
HOUSEHOLD KITCHEN WARE (Microwave Safe, Food Grade Containers)			
Full Plate 26.5 cm (6 Pcs Set)		290.00	350.00
Full Plate 28 cm (6 Pcs Set)		330.00	400.00
Glass 350 ml (6 Pcs Set)		180.00	200.00
Cook & Serve 1800ml (Two Partition)		130.00	250.00
Cook & Serve 1800 ml (Three Partition)		150.00	230.00
Dinner Set (32 Pcs)		1200.00	1750.00
Lunch Box (3 Pcs of 300ml) with cover		250.00	320.00
Unbreakable Polycarbonate Glass(6 Pcs Set) (Big) - 400ml		300.00	220.00
Kitchen Containers (3 Pcs Set)		950.00	250.00
Folding (Fruit and Vegetable) Basket		230.00	410.00
Masala Box (7 Compartments with one Spoon)		230.00	300.00
HOUSEHOLD CONSUMABLES			
Neem Soap	100 gm	10.00	15.00
Glycerin Soap	125 gm	15.00	35.00
Bathing Soap	100 gm	15.00	25.00
Antiseptic Soap	125 gm	14.00	40.00
Fruit Soap	135 gm	11.00	30.00
Coconut Based Detergent Soap	250 gm	10.00	15.00
2 Gotti Detergent Powder	1 kg	9.00	10.00
3 Patti Detergent Powder	1 kg	58.00	75.00
Omay Detergent Powder	1 kg	46.00	60.00
Ujala Detergent Powder	1 kg	46.00	60.00
Kitty Detergent Powder	1 kg	58.00	75.00
Utensil Soap Bar	500 gm	45.00	50.00
Toilet Cleaner (blue)	1 ltr	65.00	75.00
Bathroom Tile Cleaner	1 ltr	75.00	85.00
Liquid Dish Washer	500 ml	65.00	70.00
Liquid Dish Washer	250 ml	45.00	50.00
Hair Oil Sachets	2 ml	1.00	1.00
Rosa Shampoo Sachets	8 ml	1.00	1.00
Tooth Brush (Medium)	1 unit	12.00	20.00
Tooth Paste	27 gm	10.00	15.00
Super White Detergent Powder (Washing Machine)	4 kg	320.00	375.00
Fine Detergent Powder	4 kg	415.00	440.00
Polo Air Freshner	12 pcs	300.00	450.00
Starglow No.1 Bathing Soap	100 gm	25.00	30.00
Jo Soap	30 gm	8.00	10.00
Neha Herbal Mehandi	140 gm	45.00	50.00
Duke Neem Soap	1 pcs	23.00	25.00
Almond Olive Hair Oil	200 ml	121.00	130.00
Scrubber	1 pcs	8.00	10.00
Paper Soap Strips	10 strips	19.00	20.00
Amla Hair Oil	200 ml	75.00	110.00
Anti Dandruff Shampoo	500 ml	175.00	200.00
Neha Herbal Mehandi Cone	12 pcs	60.00	120.00
Green Apple Shampoo	500 ml	140.00	160.00
Herbal Shampoo (Shikakai & Amla)	500 ml	140.00	160.00
Hair Oil (Bhringraj Chameli & Rambha)	200 ml	75.00	90.00
Disinfectent Surface Cleaner	1 ltr	140.00	150.00
Liquid Wool Fabric Detergent	500 ml	84.00	90.00
Coconut Hair Oil	200 ml	71.00	80.00
Floor Cleaner Sanitizer	200 ml	95.00	110.00
Sanitary Napkins	1 Packet (set of 7 pads)	25.00	35.00
LED Television (INCL GST) + 1 Year Warranty			
LED HD Television 24”		8200.00	11200.00
LED HD Television 32”		11000.00	15000.00
LED HD Smart Television 32”		13500.00	16000.00
LED HD Television 40”		15000.00	19500.00
LED HD Smart Television 40”		18000.00	22000.00
LED HD Smart Television 50”		32900.00	42000.00

For queries Contact : +91-94595 84566, +91-82191 75636
Flyers Group Private Limited, IIRD Complex, Byepass Road, Shanan, Shimla, Himachal Pradesh - 171006

चंबा के स्कूलों में नशे के खिलाफ उठी आवाज

टीम रीव, चंबा

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह आईआईआरडी के अभियान की गूंज चंबा के दूरदराज के क्षेत्रों तक सुनाई दी। चंबा में आईआईआरडी के प्रतिनिधियों की ओर से स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यश पब्लिक स्कूल उदयपुर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के दौरान चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। 6वीं से 10वीं कक्षा वर्ग में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में तन्मय ने पहला, शिवानी ने दूसरा और मन्नत व कौशल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह इस वर्ग में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में गौरव ने पहला, शिवानी ने दूसरा और अतुल व मनीष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

लाडा स्कूल में 6वीं व 12वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में गोपाल शर्मा और काजल कुमारी ने पहला, प्रिंस कुमार ने दूसरा और मोनिका ठाकुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में काजल, गुलशन और विशाल ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भलेई स्कूल में 6वीं व 12वीं कक्षा वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता में समीक्षा ने पहला, कनिका ने दूसरा और आइरिश राठौर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में दीक्षा पहले, इरफान दूसरे और काजल तीसरे स्थान पर रहे।

निरमंड और आनी में आसान हुई जैविक खेती की राह

निशुल्क प्रशिक्षण से सैंकड़ों किसानों को लाभ

टीम रीव, कुल्लू

मिशन रीव के तहत सोलन की विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत दिया जा रहा है। इतना ही नहीं अगर कोई जैविक खाद बनाकर उसकी बिक्री करना चाहता है तो आईआईआरडी की ओर से खाद खरीद कर मुनाफा कमाने का अवसर भी दिया जा रहा है। अन्य जिलों के साथ–साथ जिला कुल्लू में भी लोगों को खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुल्लू में दो सौ से अधिक किसानों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा चुका हैं। आनी और निरमंड में लोग मिशन रीव के इस प्रयास से काफी खुश है। स्थानीय लोगों भीम सिंह, ध्यान सिंह, नैन सिंह व अन्य लोगों का कहना है कि उन्होंने अभी तक जैविक खाद के बारे में कई बार सूना था लेकिन यह कैसे बनती है इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने गांव के लोगों को इसका निशुल्क प्रशिक्षण देकर बेहतरीन कार्य किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह है कि लोगों को प्रशिक्षण लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और न ही सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ेंगे। अगर कोई जानकारी प्राप्त करनी हो तो आईआईआरडी के पंचायत फेसिलिटेटर अपनी ही पंचायत में उपलब्ध हैं जो तुरंत सेवा प्रदान करने को तैयार रहते हैं।

पेज 1 का शेष

हिमाचल ने कहा ... ज़िंदगी जियें-नशा नहीं

गांव में भी बेरोजगार युवा दिनभर नशे को समय काटने का सहारा बना रहा है । यही युवा स्कूल के बच्चों को भी गाहेबगाहे इस दलदल में फंसाने की कोशिश करते हैं ।

आईआईआरडी की योजना मात्र जागरुकता तक ही सीमित न रह कर संस्था इस अभियान को संपूर्ण समाधान के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से प्रयासरत है । इस अभियान को वेबपोर्टल पर आमजन से जोड़ने तथा नशामुक्ति अभियान में सहयोग व परामर्श के साथ एक अनूठी पहल कर रहा है । एक लिंक पर कोई भी अपना पंजीकरण करवा सकता है । पंजीकरण होने के बाद इस अभियान एवं कार्यक्रम की प्रत्येक जानकारी एक संदेश के माध्यम से मोबाईल पर दी जाएगी । पंजीकृत व्यक्तियों एवं संस्थाओं को विभिन्न स्वैच्छिक कार्यक्रम एवं भागीदारी के लिए सहयोग एवं स्वीकृति प्रदान की जाएगी जिसे ऑनलाइन कर अभियान का हिस्सा बनाया जाएगा । जो भी संस्था उत्कृष्ठ कार्य करेगी उसे सम्मानित किया जाएगा । एक श्रेष्ठ प्रयास के तहत नशामुक्ति से संबद्ध बिहेवियर चेंज कम्युनिकेशन पर ई–लर्निंग के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा । इसके अलावा संस्था ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स भी करवायेगी । इसके अलावा प्रशिक्षित तथा अनुभवी स्वयंसेवियों को नई पीढ़ी के मेंटरशिप के अवसर मिलने की संभावनाऐं भी होंगी ।

पंजीकरण एवं अभियान से ऑनलाईन कैसे जुड़ें

नशामुक्त हिमाचल अभियान से जुड़ने के लिए ऑनलाईन पोर्टल पर जाना होगा

ये पोर्टल है :

www.missionriev.in/campaign.aspx

इस पोर्टल पर सदस्य बनने के बाद अभियान की समस्त गतिविधियों की जानकारी एवं अपडेट लिया जा सकता है ।

आओ कानून को जानें

- 'द एयरक्राफ्ट एक्ट, 1934' के अनुसार अगर कोई व्यक्ति गुब्बारे और पतंग उड़ाना चाहता है तो उसे सबसे पहले इसके लिए सरकार से अनुमति लेनी होगी । बिना इजाजत के उड़ाना गैरकानूनी माना जाता है ।
- 'द लैंड एक्विजिशन एक्ट 1894' के अनुसार सरकार आपके ना चाहते हुए भी किसी समय आपकी जमीन को खरीद सकती है ।
- पुलिस एक ही चीज के लिए एक दिन में दो बार आपका चालान नहीं काट सकती है ।
- मिनिस्ट्री ऑफ वीमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट कानून के अनुसार कोई अकेला व्यक्ति किसी लड़की को गोद नहीं ले सकता है । हालाँकि वह किसी लड़के को गोद ले सकता है ।
- 'हिन्दू एडॉप्शन एंड मेंटेनेंस एक्ट 1956' के तहत अगर किसी विवाहित दम्पति के पास पहले से ही लड़का है तो वह किसी लड़के को गोद नहीं ले सकते हैं। यही बात लड़की के मामले में भी लागू होती है।
- 'डेंटिस्ट एक्ट 1948' के अनुसार सड़क किनारे दांत निकालना और कान का मैल साफ करना गैरकानूनी माना जाता है ऐसा करने वाले को सजा हो सकती है ।

एडवोकेट प्रदीप वर्मा
कानूनी सलाहकार आईआईआरडी

पाठकों से अपील

प्रिय पाठक वर्ग

पाक्षिक विकासात्मक समाचार पत्र 'द रीव टाइम्स' का पांचवा अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है । आशा करता हूं कि पिछला अंक आपकी उम्मीदों पर खरा उतरा होगा। द रीव टाइम्स लोगों को जीवन में प्रगतिशील बनने में कारगर सिद्ध हो, इसी उद्देश्य से आप की प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं, सुझावों तथा परामर्श को सादर आमंत्रित करते हैं ताकि विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने संबन्धि सभी पहलुओं का क्रमबद्ध समावेश किया जा सके ।

आनन्द नायर प्रबन्ध संपादक

आपका स्वास्थ्य हमारा परामर्श

शुगर/डायबिटीज/मधुमेह की बीमारी : क्या एवं उपचार

बदलती जीवन शैली और अव्यवस्थित खान–पान के कारण तनाव और डिपरेशन के कारण बड़े–बुजुर्गों और बच्चों तक को आज मधुमेह यानि शुगर की बीमारी ने जकड़ लिया है ।

जब हमारे शरीर के अग्नाश्य में इंसुलिन का स्त्राव कम हो जाने के कारण रक्त में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य से अधिक बढ़ जाती है, उसे ही हम मधुमेह या शुगर अथवा डायबिटीज कहते हैं ।

प्रकार :

मुख्यतः इसके 6 प्रकार हैं लेकिन अधिकतर लोग दो प्रकार की डायबिटीज से ग्रसित होते हैं

- टाईप 1 डायबिटीज
- टाईप 2 डायबिटीज

लक्षण :

- बार–बार पेशाब आना
- आंखों की रोशनी कम होना
- प्यास ज्यादा लगना
- कमज़ोरी महसूस करना
- जख़्म या चोट का देरी से ठीक होना
- स्किन में इंफेक्शन होना
- चक्कर आना
- हृदयगति अनियंत्रित होना
- किडनी में खराबी आ जाना

कारण:

- अनुवांशिकता
- खान–पान और मोटापा
- इसके अलावा श्रम न करना, गर्भवस्था, जंकफूड, तनाव भरा जीवन भी इसके लिए जिम्मेवार है ।

उपचार :

- दो प्रकार की जांच होती है जिसमें एक खाली पेट की जाती है जिसमें शुगर का सामान्य स्तर 80 से 120 mg/dl होता हैं
- दूसरी जांच खाना खाने के बाद की जाती है ।
- डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाईयों का सेवन समय पर करें, ऐसा न करने पर घातक परिणाम हो सकते है । नियमित व्यायाम करें ।
- पर्याप्त यानि 6 से 7 घंटे की नींद लें ।
- नशे से दूर ही रहें । ये नशा जैसे धुम्रपान, एल्कोहल आदि खतरनाक साबित हो सकती है ।

ऐसा नहीं है कि डायबिटीज या शुगर लाईलाज है । यह पूरी तरह से उपचार के दायरे में आती है । बस मरीज को अपनी दिनचर्या, खान–पान एवं स्वस्थ तनाव रहित जीवनशैली को अपनाना होगा । सही समय और सही उपचार से शुगरमुक्त जीवन जीया जा सकता है ।

डॉ0 के आर शांडिल
आईआईआरडी, शिमला
अधिक जानकारी के लिए लिखें:
therievtime@iirdshimla.org

अब हर ग्रामीण के हाथ होगा एक अलादीन का चिराग

हम में से लगभग हर व्यक्ति ने कभी ना कभी अफगानिस्तान मे रहने वाले अलादीन और उसके जादुई चिराग की कहानी पढ़ी या नाट्य प्रस्तुति अथवा फिल्मों के माध्यम से अवलोकित की ही होगी जिसे वो अपने जीवन से जुड़ी हर छोटी बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रयोग करता था । किसी भी आवश्यकता पूर्ति के लिए या समस्या से बाहर आने के लिए वह अपने उस चिराग में घर्षण पैदा करता जिस से एक जिन्न निकलता और उसकी हर प्रकार की आवश्यकताओं तो पलक झपकते ही पूरा कर देता था ।

हम सब के मस्तिष्क मे भी कभी ना कभी ऐसे ही इस तरह के एक चिराग होने की कल्पना की होगी की काश इस तरह का कोई साधन हमारे पास भी होता और जिन मूलभूत आवश्यकताओं व आवश्यक सेवाओं के बिना आज के इस युग मे हम अपने जीवन की कल्पना भी नही कर सकते जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, बॅकिंग, कृषि, सरकारी दस्तावेजों संबंधी एवम् सरकारी सेवाएँ, हुमारे व्यवसाय से संबंधित समस्याएँ एवम् आवश्यकताएँ अथवा हमारे दैनिक जीवन मे उपयोग एवम् उपभोग की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं के क्रय विक्रया ही क्यूँ ना हों, सरलता से उनकी पूर्ति हो जाती क्योकि आज के परिदृश्या में तो हर जरूरत को संतुष्ट ढंग से पूर्ति कर पाना किसी बड़े संघर्ष से कम नही है । किसी शायर ने बहुत खूब कहा है :

सोचा था घर बनाकर बेठुंगा सुकून से
पर घर की जरूरतों ने मुसाफिर बना डाला

इस आलेख में हमने बस यों ही अलादीन और उसके चिराग की कहानी को आपके के सामने प्रस्तुत नही किया है, अपितु आपको और आपके परिवार को दुनिया के एक ऐसे अद्भुत माध्यम से अवगत कराना है जो भारत के सुदूर और दुर्गम स्थानों मे रहने वाले हजारो लाखों ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नही है जिसका नाम है 'मिशन रीव' जिसका अर्थ है 'रूवरलाइजिंग इंडिया इम्पोरिंग विलेजस' जो वास्तविक रूप से हर ग्राम वासी की हर आवश्यकता को पूरा कर रहा है और उनकी हर समस्या का चाहे वह सामान्य हो या दुर्गम तो शीघ्रातिशीघ्र निवारण पंचायत स्तर पर ही एक सच्चे अभिभावक की तरह कर देने मे सहयोग करता है ।

भारत देश गावों का देश है । अर्थव्यवस्था भी ग्रामीण है, कृषि प्रधान है, पर संघर्ष भी चरम पर गांवो मे देखने को मिलता है यदि हम मात्र स्वास्थ्य की ही बात कर लें । भारत ऐसा देश है जहाँ १००० व्यक्तियों पर मात्र १ से भी कम पंजीकृत चिकित्सक उपलब्ध हैं । एक नए अध्ययन में पता चला है कि हमारे देश में 5 में 3 लोगों की मौत 32 प्रकार की बीमारियों के कारण सिर्फ इसलिए हो जाती है क्योंकि उन्हें समय पर अच्छा इलाज नहीं मिल पाता। लैंसेट की 18 देशों पर किए गए ताजा सर्वे के आधार पर ये पाया गया है कि सबसे ज्यादा मौत का कारण लोगों को समय पर अच्छा इलाज नहीं मिल पाना है। वहीं संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भारत में हर साल कुपोषण के कारण मरने वाले पांच साल से कम उम्र वाले बच्चों की संख्या दस लाख से भी ज्यादा है । उन्नत वैज्ञानिक ढंग से कृषि ना कर पाना ऋण इत्यादि ना मिल पाना देश के किसानों को आत्महत्यों, तक करने पर मजबूर कर देने वाली परिस्थितियों जन्म देती है । इसी प्रकार जीवन से जुड़ी हर आवश्यकता एक समस्या बन कर मूह उठाए खड़ी है ।

परंतु मिशन रीव ने अपने कदम भारत मे रख दिए हैं और असंभव सी लगनी वाली सेवाओं जैसे रक्त संबंधी जाँच, सस्ती दर पर उपचार जैसी ४० प्रकार की सेवायं निःशुल्कपर सबसे बड़ा तथ्य यह की बड़ी सरलता से आपके घर पर ही उपलब्ध करा रहा है । मिशन रीव से जुड़ा हुआ हर सदस्य हर ग्रामीण यही कहता है की हमारे जीवन मे यह किसी अलादीन के चिराग से कम नहीं । जिस भी व्यक्ति को मिशन रीव की जानकारी कहीं से भी प्राप्त हुई वो बिना इसकी सदस्यता लिए नही रह पाया ।

सही मायनो मे विकास अब हो पा रहा है । ग्रामवासियों को उनकी पंचायतों मे ही अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग से रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है एवम् उनकी प्रत्येक आवश्यकता की पूर्ति और हर समस्या का वैज्ञानिक तर्कसंगत समाधान उनके घर पर ही प्राप्त हो रहा है । अब चम्बा मे रहने वाले गुलाटी जी को जो की ७० वर्ष के हैं अपने ब्लॉड़ प्रेशर की जाँच, रक्त संबंधी जाँच और दवा के लिए लंबा सफर तय करके पूरा दिन नष्ट कर लाइन मे लग कर प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नही पड़ती, किंनौर के सुदूर गाव की एक कामकाजी बहन एवम् उसके गाँव के और भी कई सदस्यों को अपने दैनिक उपयोग की वस्तुओं उसकी घर पर ही उपलब्ध हो जाती है और यही कहानी मिशन से जुड़े ऐसे ही हजारों सदस्यों की है । कार्य या आवश्यकता व्यक्तिगत हो या सरकारी छोटी हो बड़ी हर समस्या हा हल है मिशन रीव के पास बस जरूरत है इससे जुड़ने की और सेवाओं का लाभ लेने की । ताकि हम इन आवश्यकताओं की पूर्ति में ही अपने जीवन के मिले अमूल्य समय को यूं ही नष्ट ना कर दें । अब आप ही निश्चित करें की क्या मिशन रीव को ''अलादीन का चिराग' कहा जाना कोई अतिशयोक्ति है ?

किसी कवि ने बहुत प्रासंगिग विचार दिया है–

रख हौंसला, वो मंज़र भी आएगा।
प्यासे के पास चल के, समंदर भी आयेगा।
थक कर ना बैठ, ए मंज़िल के मुसाफिर।
मंज़िल भी मिलेगी और मिलने का मजा भी आएगा।

आशीष कुमार त्रिपाठी
असिस्टेंट मैनेजर, एक्सपेन्शन आईआईआरडी

सूक्ष्मता से ब्रह्माण्ड होने की जटिलता : एक समीक्षा

प्रकृति ने इस ब्रहमांड में अनगिनत चमत्कार पैदा किए हैं तथा हमारा जीवन एक चमत्कार से आरम्भ होकर चमत्कार में सिमट जाता है । यहां पर भेद मस्तिष्क के सूक्ष्म या स्थूल प्रकृति होने से है कि किसी को कोई भी अभिव्यक्ति अचंभित करने वाली लगती है तो किसी को मात्र सामान्य सिद्धांत लगता है । न्यूटन की दृष्टि जब सेब के वृक्ष से फल नीचे गिरने पर पड़ी तो वह घटना उन्हें विश्व वैज्ञानिक बना गई । उनसे पहले या समकालीन व्यक्तियों ने इस अनूठी घटना को अनवेषण की दृष्टि से नहीं देखा तो वे सामान्य रह गए । वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आम मनुष्य 6 से 8 प्रतिशत तक ही अपने मस्तिष्क की ऊर्जा और शक्ति का सामान्यतः प्रयोग कर पाते हैं तथा जो व्यक्ति इसी प्रतिशतता को बढ़ाते जाते हैं वही व्यक्ति समाज के लिए कुछ विशेष करने की शक्ति रखते हैं या विशेष कर पाते हैं । ऐसी मानसिक विकास की निरंतरता हमें भयमुक्त कर समत्व बुद्धि प्रदान कर स्थितप्रज्ञ की श्रेणी में ला खड़ा कर देती है और मन पर पूर्ण विजय के साथ 'मुनि' बना लेती हैं । इसी के परिणाम स्वरुप हम रीढ़ की हड्डी से गुजरने वाले समस्त चक्रों की दूरी तय कर ब्रह्माण्डीय शक्ति के साथ आत्मसात होकर ईश्वरमय हो जाते हैं ।

यदि यह विकास हमें प्रगति की चरमसीमा तक पहुंचाकर आनंद की पराकाष्ठा प्रदान करता है, तो आख़िर यह हमारी प्राथमिकताओं का हिस्सा क्यों नहीं बन पाता ! आज का मनुष्य रोजी–रोटी की व्यवस्था तथा स्वरचित या स्वपारिभाषित विकास की गति पकड़ने के प्रयास में अपने मस्तिष्क के विकास की प्राथमिकता तय नहीं कर सकता जिसका परिणाम है 'सब कुछ पाने के बाद भी अशांति ।' यह बात हमें तब समझ आती है जब समय निकल चुका होता है ।

हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति इसी पर आधारित थी कि मस्तिष्क का विकास पहले हो बाकि सभी प्रकार के अन्वेषण स्वतः हो पाऐंगे लेकिन आधुनिक शिक्षा पद्धति बहुत विस्तृत होते हुए भी शिक्षा के इस आयाम के बिना खोखली व अधूरी लगती है । तो इसका मतलब यह कि हमें प्रकृति ने स्वतंत्र चिंतन की शक्ति से अभिनंदित किया है । अर्थात् यह सब हमारे चिंतन पर निर्भर करता है कि हमारे जीवन को किस प्रकार की गति प्राप्त हो ? इसी के साथ यहां प्रारब्ध की अवधारणा तथा प्रभाव के आयतन से बाहर आने के लिए मार्ग प्रशस्त हैं । प्रारब्ध की भूमिका हमें आरंभिक परिवेश की रचना करने में हो सकती है कि व्यक्ति का जन्म कहां और कैसी अवस्था में हो परंतु जब से हमारी समझ विवेकपूर्ण होनी आरंभ होती हो, वहां से प्रारब्ध की भूमिका कम होनी आरंभ हो जाती है । शनैः शनैः व्यस्क होने पर हमारा चिंतन ही हमारा भाग्य बनता जाता है । सिद्ध है श्रेष्ठ भाग्य के लिए हमें अनुकूल चिंतन की आवश्यकता रहती है और अनुकूल चिंतन तथा मस्तिष्क का विकास साथ–साथ चलकर एक–दूसरे के पर्याय बन जाते हैं ।

इसका अर्थ यह है कि अनुकूल चिंतन ही मस्तिष्क के विकास में संबल प्रदान करता है जिससे हमारी दृष्टि सूक्ष्म होने लगती है। सूक्ष्म दृष्टि के लिए प्रातः से सांयकाल तक की समस्त घटनाऐं सभी चामत्कारिक लगती है । उदाहरण के लिए मनुष्य शरीर को ही लें, लाखों कोशिकाओं, नाड़ियों, उत्तकों में हवा के एक निश्चित समय में प्रवेश से हृदय धड़कने लगता है । चमत्कार तो यह है कि इसकी उत्पति का आधार इसकी जटिलता बारे किंचित भान तक नहीं होने देता । ऐसी ही सूक्ष्म दृष्टि उजर भूमि में हरियाली लाने के विकल्प देख सकती है । सूखे में वृष्टि की व्यवस्था कर सकती है तथा शुन्य से कुछ भी उत्पन्न करने की सामर्थ्य देती है तथा (Creating out of Nothing) के साहस को पुष्ट करती है तथा मिशन रीव इसी साहस का एक उदाहरण है।

डॉ0 एल सी शर्मा
प्रधान संपादक
md@iirdshimla.org

पर्यावरण बचाने की 'देवआस्था'

देव स्थानों की परंपरा अति प्राचीनकाल से चली आ रही है। ऐसी भी मान्यता है कि सभ्यता के आरंभ होने के साथ ही यह परंपरा भी शुरू हुई। आज भले ही देव स्थानों की परिभाषा बदलते सामाजिक परिवेश के साथ बदलती जा रही हो लेकिन आस्था के केंद्र ये देव स्थान कभी हमारे जीवन रक्षक थे। रक्षक इस मायने में कि इन स्थानों पर पूजा–पाठ के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण भी होता था। हर गांव में एक स्थान ऐसा था जो देव स्थान होता था। यहां न तो किसी को पेड़ काटने की अनुमति थी और न ही अवैध निर्माण की। ऐसे में यह मानव जीवन की रक्षा के लिए बेहद जरूरी पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य की पूर्ति करते हैं। आज भी हिमाचल के कई गांवों में यह देवपरंपरा है। कहीं देवता के नाम पर पूरा वन फैला है तो कहीं एक छोटी सी बगिया और खुला स्थान। कहीं पर मंदिरों का निर्माण हो चुका है। लोग देव स्थान को पवित्र मानते हैं, पूजा पाठ करते हैं, यह आस्था का एक पहलू है लेकिन इसका दूसरा पहलू सीधे पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा है। दरअसल देव स्थानों में पेड़ न काटना, बिना अनुमति कुछ वनों में प्रवेश न कर पाना आदि, कुछ ऐसी परंपराएं हैं जो पर्यावरण को बचाने में मददगार है। इतना ही नहीं इन स्थानों पर मदिरापान, धुम्रपान और अन्य असामाजिक गतिविधियों पर रोक, आज के बदलते दौर में हमारे संस्कारों को जिंदा रखे हुए है। लेकिन बेहद दुख की बात है कि भौतिकवाद की इस दौड़ में हम देवस्थानों को भी कमाई का जरिया बनाने पर तुले हैं। जिन देव स्थानों में कभी बिना अनुमति प्रवेश संभव नहीं था आज वहां कंकरीट के भवन खड़े कर दिए गए। पेड़ कट गए और प्राकृतिक संपदा का ह्रास हो गया। आज श्रद्धालुओं को सुविधा देने के नाम पर देवस्थानों को टूरिस्ट प्लेस में तबदील कर दिया गया है। विकास के नाम पर आस्था और पर्यावरण संरक्षण दोनों से खिलवाड़ जारी है। एक गणना के अनुसार प्रदेश में करीब 5 हजार देव स्थान हैं लेकिन असल में इनकी संख्या 15 हजार से भी अधिक है। वास्तव में इन देवस्थानों की स्थापना पर्यावरण संरक्षण और समाज को आपस में जोड़े रखने के लिए हुई थी लेकिन आज इसके मायने ही बदल दिए गए हैं, जो सभी के लिए चिंता का विषय है। देवस्थानों में लगातार होते निर्माण कार्य और घटती वनसंपदा से यहां रहने वाले वन्यजीवों के लिए भी खतरा है। देवस्थान केवल पूजा पाठ करने के लिए ही जरूरी नहीं बल्कि एक स्वच्छ वातावरण को बनाए रखने के लिए जरूरी है। देवस्थानों में जब धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता हैं तो पूरे गांव के लोग एक साथ इक्टठा होते हैं। इससे समाज में आपसी सद्भाव बढ़ता है। देवस्थानों पर सफाई बनाए रखने का नियम, वनसंपदा के संरक्षण का नियम समेत अन्य देवपरंपराएं हमारे वातावरण को बनाए रखने में मददगार हैं। ऐसे में देवस्थानों के पुराने स्वरूप को बनाए रखने के लिए हमें अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

डॉ. वी के शर्मा
बागवानी वैज्ञानिक

Rural Consumerism

India's economic growth has accelerated swiftly in the last two decades and so has the purchasing power of its population. McKinsey Global Institute (MGI) study suggests that if India continues to grow at the current pace, average household incomes will triple over the next two decades, making the country the world's fifth-largest consumer economy by 2025. The growing income and rising influence of the social media has enabled consumers to binge on good things irrespective of their prices.

India's rural population, accounting for about 12 per cent of the world's population, presents a huge, untapped market. Brands cannot afford to disregard vast opportunities rural India offers, taking into consideration the population density in such areas. Almost 67 per cent of companies in India are expanding their presence in tier IV cities.

A stronger rural India with increasing consumerism is also inciting demand for products and services. The people in the rural areas are now quality conscious and thus the rural market is emerging fast lucrative. Also, the increase in rate of literacy in rural areas has led to employment opportunities and hence higher incomes. The retail sector in these remote areas are becoming more organized and has become the second major occupation after agriculture.

A blend of consistent agro commodity prices, better irrigation facilities and greater involvement by the government in the agriculture sector has resulted in an increase in income of the farmers of rural India. Increased government involvement and better infrastructure has resulted in a meaningful impact on farmer's income and thus rural consumption demand.

Another reason for increase in rate of consumption in rural India is the exposure of internet and social media. The rural population has got exposed to the standard of living of the urban population and has started expecting a similar lifestyle for themselves. The masses demand better quality products and money worthy services. Big companies are increasingly sculpting their strategies and brand marketing to influence consumer in rural areas. Hindustan Unilever aimed to empower rural women to make its products reach every rural home by training rural women, reportedly, this initiative now delivers around 20 per cent of Unilever's overall rural sales. Meanwhile Godrej Consumer Products trains rural youth in channel sales. ITC has Choupal Sagar and Godrej Agrovet has large format retail stores called Adhaar in Indian hinterlands, While Coca-Cola, the beverage major since it re-entered India, intends to increase its rural reach.

Today, in spite of comparatively low incomes, rural consumers due to their majority share of the population altogether are India's largest consumers — 57% of current consumption is in rural areas versus 43 percent in cities. However, it is assumed that by 2025 the Indian consumer market will largely be an urban affair, with 62 percent of consumption in urban areas versus 38 percent in rural areas.

Most of the companies are steadily transforming their rural operations into viable profit centres. They have been devising 'reach strategies' which proved to be instrumental in selling to unsophisticated buyers in geographically dispersed locations.

According to Tata Strategic Management Group report, about one-third of fast-moving consumer goods (FMCG) and consumer durables are sold in rural markets. Companies that recognize this enormous opportunity are experimenting with various go-to-market models to garner their share of this growth. But the results have been mixed. An efficient sales and distribution model are the most critical factor to achieve profitable and sustainable growth in rural markets.

The hallmark of success in rural India is overcoming challenges in the three stages of the consumer lifecycle reaching, acquiring and retaining the rural customer. In terms of reaching the rural consumer, the biggest obstacles companies facing are inadequate distribution networks, partners with limited capabilities, long payment cycles, and weak marketing channels. As far as rural customer acquisition is concerned, understanding and meeting the diverse, specialized needs and preferences of such customers pose major challenges to companies.

As rural markets evolve and competition in rural markets intensifies, companies will have to look for new approaches to harness this opportunity in ways that protect their margins while also growing revenue. Deploying the correct sales and distribution model can assist companies in driving profitable growth in a relatively short span of time. Rural masters will have to find ways to scale operations without hurting their bottom line. For a rural performer, the challenge will be to create differentiated offerings and brand loyalty to retain customers and sustain their business models. Rural voyagers will build their own ecosystems and brand awareness to acquire new customers.

Mission RIEV, provides everything that companies require - consumer reach, acquisition and retention along with strong distribution networks of more than 10,000 dedicated people across Himachal Pradesh and on the success of this pilot project, it aims to go PAN India with the model. Through its reach and strong connect with family members in the village it has been able to increase the capabilities, reduce long payment cycles and enhance the marketing channels. With its vast & active network, Mission RIEV understands diverse local markets and consumer needs.

Mission RIEV provides immense opportunities for all big companies and multinationals for selling their products in geographically dispersed locations. An enormous opportunity waits these companies to experiment and garner market share and increase their growth and make their operations into a viable profit centre.

Join us in our initiative of making products available by reaching the last person in the village!

Anand Nair, Managing Editor
anand@iirdshimla.org

हिन्दी को शहीद नहीं स्वतंत्र करने का समय आ गया

हिन्दी जनमानस के हृदय पटल पर गर्व करने की भाषा है

एक बार पुनः वर्षभर की प्रतीक्षा के उपरांत हिन्दी दिवस के आयोजन का सुवसर प्राप्त हुआ है । इस दिवस को मनाने की उत्सुकता अपने–अपने स्तर पर भिन्नता लिए हुए हैं । सरकारी विभागों को उच्चस्तरीय आदेशों के अनुपालन की चिंता रहती है तो अमूमन व्यक्तिगत रुप से इसे इस दिन हिन्दी को स्मरण करने के लिए जाना जाता है । सरकारी कोष का कुछ अंश इस दिवस के आयोजन की औपचारिकताओं पर देशभर में व्यय होता है । बड़े–बड़े बैनर और हिन्दी की बढ़ाई करती तख़्तियों से विभागों में सर्वोत्तम करने की होड़ लग जाती है । हिंदी के नाम पर प्रतियोगिताऐं और सेमिनार की बाढ़ सी आ जाती है । हिंदी को 14 सितंबर के दिन 9 बजे से 5 बजे के मध्य औपचारिकताओं में बांध दिया जाता है । बेचारी हिंदी भी उसके प्रति देश भर में एक ही दिन में आए इस भावनाओं के सैलाब को देख कर हक्की–बक्की रह जाती है । हो भी क्यों न.....बाकि के 364 दिन तो उसके अकेलेपन और स्नेह को अंग्रजी और अन्य स्थानीय शब्दों से आहत किया जाता है ।

हिंदी को परिभाषित करने की भाषा मात्र हिंदी ही है .....कोई अन्य भाषा हो ही नहीं सकती है । मैं स्वयं भी एक विशुद्ध भारतीय हूं और इसी मिट्टी की सुगंध लिए पला–बढ़ा हूं । मैं हिंदी के मर्म और धर्म को आंतरिक रुप से महसूस करता हूं । विश्व में ऐसी संवेदनशील, मर्म और अपनत्व लिए हुए अन्य कोई भी भाषा नहीं है..... इसका साक्षी प्रत्येक भारतीय का मन है, ये अलग बात है कि इस तथ्य को स्वीकार करने का साहस चुनौती से कम नहीं है ।

मन से मातृभाषा मानने में मनमसोस क्यों

इस देश और हिंदी के लिए यह बड़ी विडंबना है कि हम राष्ट्रवाद पर भी कभी–कभी क्षेत्रवाद को बढ़ावा देते हैं । हम भाषायी द्वंद्व के मकड़जाल में भीतर तक उलझ कर रह गए हैं । इतिहास साक्षी है कि इसी भाषायी द्वंद्व ने हमें पराधीनता से लेकर सोने की चिड़िया तक को कंगाली के द्वार पर खड़ा कर दिया था । हमारी इसी उलझन को हथियार बनाकर आतातायियों ने हमें विभाजित किया और हमारी अस्मिता पर कुठाराघात किया । परंतु सबक लेने के स्थान पर हम स्वतंत्रता के 70 वर्षों के बाद भी हिंदी को अछूत होने के दंश से मुक्त नहीं करवा पा रहे हैं । इस संदर्भ में मुझे एक व्यवहारिक उदाहरण का उल्लेख करते हुए यहां कोई अतिश्योक्ति नहीं हो रही है । अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भारत के दक्षिण राज्य तमिलनाडु में प्राप्त हुआ था । 15 दिवसीय इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का यह अनूठा प्रयास भारत सरकार का था । स्वागतकर्ता राज्य के रुप में तमिलनाडु के युवाओं ने हमारा स्वच्छंद मन से अभिनंदन किया । विशेष रुप से उत्तर भारत के युवाओं का । परंतु संचार का माध्यम एक भाषा के रुप में किसी को भी वहां मान्यता नहीं मिल पाई । अंग्रेजी में हमारे बहुत से साथियों का हाथ तंग ही था और तमिल प्रतिभागी युवाओं को अंग्रेजी का ज्ञान आधा–अधूरा ही था । उन्हें केवल तमिल में बात करना, हंसना, खेलना, प्रस्तुतिकरण तथा अन्य गतिविधियों को संचालित करने में प्रसन्नता होती थी और उत्तर भारत के युवाओं को तमिल भाषा काला अक्षर भैंस बराबर था ।

अंततः कार्यक्रम को सुचारु और सफल बनाने का माध्यम मात्र एक सार्वभौमिक भाषा के कांधो पर आ गया.....वो भाषा थी हिंदी । हालांकि इस शिविर में दक्षिण भारत के अन्य राज्य के युवाओं की भागीदारी थी, परन्तु सभी को यदि कोई जोड़ पा रहा था तो वो मात्र हिंदी ही थी । इस पर विवाद हो गया । तमिल के युवाओं ने हिंदी के बोलने पर विरोध किया और मैं जब भी कोई संवाद अथवा प्रस्तुतिकरण करता तो तमिल साथी हिंदी के अलावा अन्य किसी भी भाषा में कहने को बाध्य करते । मैंने अपने जीवन में हिंदी को इतना अपमानित होते हुए कभी नहीं देखा था । हम सभी साथियों ने प्रण लिया कि अब इस शिविर में हिंदी में ही सब कार्य होंगे । जो हमारी प्रस्तुतियां अंग्रेजी में थी उन्हें परिवर्तित कर हिंदी में कर दिया गया । विवाद बढ़ता देख एक सामुहिक बैठक हुई । उसमें इस बात के लिए तमिल युवाओं ने स्वीकार किया कि उनसे हिंदी के प्रति यह अपमानित शैली अशोभनीय थी और भविष्य में यह प्रयास रहेगा कि इसकी पुनरावृति नहीं होगी और इस शिविर में सभी एक दुसरे की भाषा एवं शब्दावली का सम्मान करेंगे । यह अलग बात रही कि शिविर की समाप्ति पर तमिल युवाओं ने गाईड फिल्म का गीत ' तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं....हो जहां भी ले जाऐं राहें हम संग हैं' गाकर हिंदी को सम्मान दिया ।

उपरोक्त उदाहरण का यहां उल्लेख करना इसलिए आवश्यक है कि तथाकथित बड़े समाज और बड़ी पंहुच के तथाकथित रसूखदार अंग्रेजी के आधिपत्य को स्वीकार करते हुए स्वयं को उसी के कच्चे रंग में सियार बनाते जा रहे हैं । यह अलग बात है कि स्नानागार में गाने हिंदी के ही गाते हैं । हिंदी में बात करने से उनकी पद–प्रतिष्ठा दांव पर लग जाती हैं । स्वतंत्रता का आधार हिंदी, एकता का आधार हिंदी, उसके बाद भी हिंदी को एंकातवास में रखने का निरर्थक प्रयास कब तक स्वीकार्य होगा ?

नई पीढ़ी के लिए हिंदी के प्रति निरुत्साहन.....असुरक्षित क़दम

यह तथ्य विचारणीय है कि हम नई पीढ़ी की नव पौध को तालाब के स्थिर जल से सींचित करना चाहते हैं या बहते गंगजल से । हम इतने आधुनिक पहनावे को ओढ़ चुके हैं कि अब अन्य आवरण हेतु स्थान ही शेष नहीं बचा । 1 वर्ष के बच्चे को प्ले स्कूल, 3 वर्ष में शिशु पाठशाला यानि नर्सरी में और उसके बाद बड़े नाम के स्कूल और उस पर अंग्रेजियत का मख्खन.....हिंदी से अलगाव जैसा है । इस होड़ में अभिभावक अंधे होते जा रहे हैं कि उनका बच्चा कुछ और सीखे या न सीखे, उसे अंग्रेजी में बात करना आना ही चाहिए । अंग्रेजी स्कूलों में इसी होड़ ने हमारी हिंदी को संकुचित और असहज करने का कुत्सित प्रयास किया है । वर्तमान हिंदी के प्रति सहानुभूति जताने का नहीं अपितु गर्व करने का विषय है । इस नई पीढ़ी को आरंभ से ही हिन्दी के प्रति गौरवान्वित होने का अवसर मिले या न मिले.....अंततः हिंदी की गोद में ही उसे शांति, सुकून और स्नेह प्राप्त होगा जिसमें किंचित लेशमात्र भी संदेह नहीं है ।

प्रत्येक राष्ट्र का गौरव उसकी मातृभाषा

हमें यह कदापि स्मरण विस्मृत नहीं होना चाहिए कि प्रत्येक राष्ट्र का गौरव उसकी मातृभाषा ही रही है । उस राष्ट्र की उन्नति और खुशहाली के अलावा राष्ट्रीय एकता का केन्द्र बिन्दु भी उसकी मातृभाषा ही है । किसी भी देश का इतिहास से वर्तमान खंगाल लिया जाए तो उनकी भाषा ही उनका राष्ट्रीय गौरव है । भारत के संदर्भ में इसे कदाचित परिष्कृत करने की आवश्यकता वर्तमान में भी बनी हुई है । इसे सम्मेलनों अथवा कार्यक्रमों की जंजीरों से मुक्त कर स्वच्छंदता से हार्दिक अभिनंदित किये जाने की आवश्यकता है । व्यवहारिकता के साथ इसकी स्वीकार्यता अधिक उपयोगी साबित होगी । इसे स्वयं के साथ–साथ राष्ट्र का मान–सम्मान बनाने की ओर तीव्रता से पहल करने की आवश्यकता है ।

अधिकारिक भाषा से व्यवहारिक भाषा की ओर

हिंदी को फाईलों की कब्रिस्तान से बाहर निकाल कर व्यवहारिक रुप से अपनाने के लिए सरकारी और निजी रुप से पहल करने की आवश्यकता है । साथ ही आज भी ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जिनमें हिंदी की तो बिंदी भी नहीं लगती जिनमें कानून विभाग इसमें से एक हैं । प्रत्येक व्यक्ति को कानूनी पेचिदगियों से कभी न कभी एक बार निकलना ही पड़ता है । आम ग्रामीण और अनपढ़ लोगों की राजस्व और घरेलु झगड़ों में संलिप्तता अत्यधिक रहती है । ऐसे में कानून की भाषा बनने के लिए हिंदी आज भी छटपटा रही हैं । क्या हिंदी में कानून कहा, लिखा और समझा नहीं जा सकता है ? एक और विषम परिस्थिति यह है कि हिंदी को जटिल शब्दों के जाल से मुक्ति देकर इसे आमजन की बोलचाल में ढाल कर इसका सरलीकरण किया जाना आवश्यक है । हिन्दी को वैसे ही उसके वास्तविक स्वरूप के साथ अपनाने की ओर बढ़ना होगा । स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उपचार और औषधी का नाम व उसके अवयव / तत्वों को पढ़ने व समझने के लिए आज भी कलिष्ट अंग्रेजी का उपयोग पूर्णतः लागु हैं ।

गांधी जी के इस कथन (हिन्दी राष्ट्रभाषा के साथ–साथ जनमानस की भाषा भी है) की सार्थकता तभी संभव होगी जब धरातल पर हिन्दी को मां से ममत्व और अपनत्व के साथ आत्मसात करने की समुचित प्रक्रिया अंतर्मन से आरंभ होगी ।

हेम राज चौहान
सहायक संपादक, द रीव टाइम्स
Chauhan.hemraj09@gmail.com,94184 04334

हिंदी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए और इसकी महत्ता को बताने के लिए भारत के नेताओं और साहित्यकारों ने इसके बारे में काफी कुछ लिखा है

- राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है : महात्मा गांधी
- मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता: आचार्य विनोबा भावे
- जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य का गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता : डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- हमारी नागरी लिपी दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपी है : राहुल सांकृत्यायन
- हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है : सुमित्रानंदन पंत
- सभी भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपी आवश्यक है तो वो देवनागरी ही हो सकती है : जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर
- हिंदी का प्रचार और विकास कोई रोक नहीं सकता : पंडित गोविंद बल्लभ पंत
- हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है : कमलापति त्रिपाठी
- राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है : महात्मा गांधी
- 'हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है' : महात्मा गांधी
- 'यद्यपि मैं उन लोगों में से हूँ, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है': लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक
- हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा तो है ही, यही जनतंत्रात्मक भारत में राजभाषा भी होगी : सी. राजगोपालाचारी
- प्रान्तीय ईर्ष्याया–द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता इस हिंदी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज से नहीं मिल सकती : सुभाषचंद्र बोस
- हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है : विलियम केरी
- हिंदी आम बोलचाल की 'महाभाषा' है : जॉर्ज ग्रियर्सन

हिंदी भाषा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें जिनके बारे में आप अभी तक नहीं जानते होंगे

दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है हिंदी । यह देश के करोड़ों लोगों की मातृभाषा है लेकिन फिर भी हम में से ज्यादातर लोग यह नहीं कह सकते कि वे इस भाषा के बारे में सब कुछ जानते हैं। हम यहां हिंदी भाषा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बता रहे हैं , जिनके बारे में शायद ही आप जानते होंगे...

1. हिंदी भाषा मॉरिशस, फिजी, सुरीनाम, त्रिनिदाद और टोबेगो में भी बोली जाती है ।
2. हिंदी वैसी सात भाषाओं में से एक है जिसका उपयोग वेब एड्रेस बनाने में किया जा सकता है ।
3. हिंदी शब्द पर्सियन के 'हिंद' शब्द से बना है । इसका मतलब सिंधु नदी के क्षेत्र से है ।
4. संविधान सभा ने हिंदी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को चुना था । इसी वजह से 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ।
5. 1981 में बिहार ने उर्दू भाषा की जगह हिंदी भाषा को कार्यालयों में जगह दी । इसी के साथ बिहार हिंदी को अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया ।
6. 1965 में हिंदी को भारत की आधकिारिक भाषा के रूप में स्वीकार कर लिया गया ।
7. लगभग 500 मिलियन लोग हिंदी भाषा का प्रयोग करते हैं ।
8. 1805 में छपी लल्लू लाल की किताब 'प्रेम सागर' को हिंदी की पहली किताब माना जाता है । इस किताब में भगवान कृष्ण की लीलाओं का वर्णन है ।
9. मार्केट में हिंदी टाइपराइटर मशीन 1930 में आई थी ।
10. हिंदी की स्क्रिप्ट फोनेटिक (शब्द उच्चारण) पर आधारित है । यह जैसे बोली जाती है, वैसे ही लिखी भी जाती है।
11. हिन्दी शब्द खुद फारसी शब्द 'हिन्द' से लिया गया है । हिन्द शब्द का आशय 'सिंधु नदी की जमीन' से है ।
12. हम 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाते हैं क्योंकि सन 1949 में आज ही के दिन भारतीय संविधान ने हिन्दी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया था ।
13. जहाँ अंग्रेजी में सबसे अधिक बोला जाने वाला शब्द 'हेल्लो' है, वहीँ 'नमस्ते' हिंदी का सबसे ज्यादा बोला जाने वाला शब्द है ।
14. 1805 में प्रकाशित हुई 'प्रेम सागर' को हिंदी की पहली प्रकाशित पुस्तक माना जाता है । इसे लल्लू लाल जी ने लिखा था
15. संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिन्दी में पहली बार 1977 में संबोधित किया गया था । तब तत्कालीन विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हिंदी में भाषण देकर देश का दिल जीत लिया था ।
16. ये तो हम सब जानते हैं कि भारत में सबसे ज्यादा बोली और समझे जाने वाली भाषा हिन्दी है लेकिन विश्व में भी मंदारिन, स्पेनिश और अंग्रेजी के बाद हिंदी चौथी सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है ।
17. अमेरिका के 45 और विश्व भर के करीब 175 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है ।
18. अंग्रेजी की तरह आप हिंदी में भी Website Address बना सकते हैं ।
19. हिन्दी भाषा के इतिहास पर आधारित रचना करने वाले सबसे पहले कोई भारतीय ने नहीं बल्कि एक फ्रांस के लेखक ग्रासिन द तैसी ने की थी ।

युग के हत्यारों को सजा-ए-मौत

अदालत ने तीनों दोषियों को सुनाई सजा

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

बहुचर्चित युग हत्याकांड में दोषियों को सजा–ए–मौत सुनाई गई है। फिरौती के लिए चार साल के मासूम युग की अपहरण के बाद निर्मम हत्या मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिमला की अदालत ने पांच सितंबर को तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई।

हत्यारों चंद्र शर्मा, तेजिंद्र पाल और विक्रांत बख्शी को सजा सुनाते हुए न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह की अदालत ने इस अपराध को दुर्लभ में दुर्लभतम श्रेणी का करार दिया। तीनों दोषियों ने 14 जून, 2014 को शिमला के रामबाजार से फिरौती के लिए युग का अपहरण किया था।

अपहरण के दो साल बाद अगस्त 2016 में भराड़ी पेयजल टैंक से युग का कंकाल बरामद किया गया। तीनों ने मासूम के गले में पत्थर बांध कर उसे जिंदा पानी से भरे टैंक में फेंक दिया था। पांच सितंबर को दोपहर करीब दो बजे जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में तीनों दोषियों को पेश किया गया। पहले ही दोषी करार दिए जा चुके तीनों हत्यारों को न्यायाधीश ने खड़े होकर बारी–बारी फांसी की सजा सुनाई।

चार साल के मासूम युग के अपहरण और उसकी निर्मम हत्या के मामले पर तीनों दोषियों को सजा–ए–मौत के फैसले के साथ अदालत ने तलख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा हत्यारों ने पड़ोस के विश्वास को तोड़ा है। लोग इस विश्वास के साथ अपने बच्चों को घर पर अकेला भी छोड़ देते हैं कि पड़ोसी उनके बच्चों की देखभाल करेंगे, लेकिन युग के हत्यारों ने इस विश्वास को ही तोड़ दिया। गुनहगार चंद्र शर्मा और तेजिंद्र पाल युग के पड़ोसी थे और उनके परिवारों में कोई दुश्मनी नहीं थी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह की अदालत ने इस अपराध को असाधारण और जघन्य श्रेणी, रेयरेस्ट आफ रेयरद्ध का करार दिया है।

युग हत्या मामले के आरोपियों को फांसी की सजा पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि फैसले से कोर्ट के प्रति सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मासूम युग की हत्या से पूरा प्रदेश दुखी हुआ। देश भर में इस घटना की चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कानून ने बखूबी अपना काम किया है।

शिमला में बाहरी राज्यों के वाहनों पर ग्रीन टैक्स

द रीव टाइम्स ब्यूरो

शिमला शहर में प्रवेश करने वाले बाहरी राज्यों के वाहनों से अब ग्रीन टैक्स वसूला जाएगा। टैक्स न चुकाने पर 1500 रुपये तक जुर्माना लगेगा। हालांकि पहले तीन महीने टैक्स न चुकाने पर जुर्माना नहीं लगेगा। इसके बाद दोपहिया वाहनों पर पांच सौ, जबकि बड़े वाहनों पर 1500 रुपये जुर्माना लगेगा। बाहरी राज्यों से आने वाली बसों पर भी यह टैक्स लागू होगा।

टैक्स चुकाने के सात दिन तक वाहन मालिक से दोबारा टैक्स नहीं लिया जाएगा। वहीं, शिमला शहर के जिन लोगों के पास बाहरी राज्यों के नंबर वाली गाड़ियां हैं, वे स्थानीय पार्षद से प्रमाण पत्र लेकर टैक्स से राहत पा सकेंगे।

शिमला में पर्यटन सीजन में सैकड़ों पर्यटक रोजाना आते हैं। टैक्स से निगम को सालाना करीब 12 करोड़ रुपये की आय होगी, जिसे शहर में पार्किंग, पार्क बनानेए सफाई व्यवस्था आदि कार्यों पर खर्च किया जाएगा। ग्रीन टैक्स निगम के रिज स्थित कैश काउंटर, शहर की पार्किंग, होटल और मोबाइल ऐप से भरा जा सकेगा।

यह रहेगी फीस

कार 200 रुपये बस, ट्रक 300 रुपये और दोपहिया वाहन 50 रुपये ग्रीन फीस वसूली जाएगी।

हिमाचल में 26 फीसदी बच्चे नाटे

द रीव टाइम्स ब्यूरो

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि वर्ष 2016 में राज्य में बच्चों में नाटेपन की दर 36 प्रतिशत थी, जो घटकर वर्तमान में 26 प्रतिशत तक आ गई है। इस दर को 2022 तक 15 प्रतिशत तक लाना होगा।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उपायुक्त बिलासपुर, मंडी तथा कांगड़ा को सम्मानित भी किया।

बच्चों के खानपान पर स्मार्ट फोन से रखेंगे नजर

हिमाचल में नौनिहालों पर अब स्मार्ट फोन से नजर रखी जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता स्मार्ट फोन से बच्चों के खानपान की पूरी निगरानी करेंगी। किस बच्चे ने क्या खाया, क्या पिया? बच्चों के पोषाहार को ट्रैक करने के लिए सरकार प्रदेश की आठ हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन (एन्ड्रॉयड) देने जा रही है। इसके लिए अक्तूबर महीने से प्रदेश के 5 जिलों में पोषण अभियान शुरू किया जाएगा।

शेष सात जिलों की करीब 10 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अगले साल अप्रैल में स्मार्ट फोन मिलेंगे। यह जानकारी नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने पीटरहॉफ शिमला में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। डॉ. पॉल ने कहा कि पहले चरण में शिमला, सोलन, हमीरपुर, ऊना और चंबा में यह योजना लागू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि वर्ष 2022 तक इस संबंध में तमाम लक्ष्य हासिल हों।

हिमाचल में 'वन समृद्धि जन समृद्धि' शुरू

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में सितंबर को पहले सप्ताह में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस दौरान फसल पूर्व कटान हैंडलिंग, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार तथा औषधीय पौधों सहित गैर इमारती लकड़ी वन उत्पादों को एकत्र करने तथा बेचने में शामिल ग्रामीण परिवारों की आर्थिक रिर्टन सुनिश्चित करने के लिए 'वन समृद्धि जन समृद्धि' योजना शुरू करने का फैसला लिया गया। प्रदेश के ऐसे 5 जिले जिनमें जड़ी बूटियां पाई जाती है उसकी मैपिंग की जा रही है। इसमें इस चीज का पता लगाया जाएगा कि कहां पर कौन सी जड़ी बूटी पाई जाती है। उसकी मेडीसनल वैल्यू क्या है। जंगलों से जड़ी बूटियों को निकालने का कार्य स्वयं सहायता समूहों को दिया जाएगा। वन विभाग के जायका प्रोजेक्ट के तहत जड़ी बूटी सैल बनाया जाएगा। इसमें लोगों को जड़ी बूटियों की तकनीकी जानकारी दी जाएगी। प्रदेश के जंगलों में बेशकीमती जड़ी बूटियां पाई जाती है। वन विभाग के मुताबिक राज्य की वनस्पति धरोहर में 1038 प्रजाति समूह और लगभग 3400 प्रजातियां शामिल हैं।

एम्स के लिए कोठीपूरा में भूमि हस्तांतरित

कैबिनेट ने बिलासपुर जिले के मोहाल कोठीपुरा में पशुपालन विभाग से संबंधित 112.04 बीघा जमीन को भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्थापित करने के लिए हस्तांतरित करने को मंजूरी प्रदान की।

स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण जांच दल होगा स्थापित

कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता मॉनीटर के लिए निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुरूप स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण जांच दल/उड़न दस्ता तथा थर्ड पार्टी गुणवत्ता जांच प्रणाली स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की।

महेंद्र सिंह धोनी पहुंचे शिमला

कैप्टन कूल के नाम से मशहूर महेंद्र धोनी बीते दिनों शिमला पहुंचे। वह एक विज्ञापन के सिलसिले से यहां पहुंचे इस दौरान उन्होंने छराबड़ा और मालरोड के आसपास विज्ञापन की शूटिंग की और फुर्सत के पलों में अपने परिवार के साथ ऐतिहासिक रिज मैदान की सैर भी की।

निहाल शर्मा मिल्क फेडरेशन के चेयरमैन

प्रदेश सरकार ने निहाल शर्मा को मिल्कफेड का चेयरमैन बनाया है। निहाल शर्मा मूलतः बल्ह के राजगढ़ के हैं। नई सरकार बनने के बाद यह पद खाली पड़ा हुआ था। प्रदेश सरकार ने गुरुवार को इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी। निहाल शर्मा मूलत मंडी के बल्ह के राजगढ़ के हैं। निहाल चंद शर्मा दूसरी बार मिल्क फेडरेशन के निदेशक बने हैं। इस समय वक्फ बोर्ड के चेयरमैन राजबली मोहम्मद भी मंडी जिला के द्रंग से हैं, जबकि सदर से पायल वैद्य बाल कल्याण समिति की उपाध्यक्ष हैं।

गैर हिमाचली मुलाजिमों को झटका

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल में कार्यरत गैर हिमाचली अधिकारियों और कर्मचारियों के बच्चों को सूबे में मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने को छूट नहीं मिलेगी। सरकार ने हाल ही में छूट देने के आदेश पर रोक लगा दी है।

सरकार ने नई अधिसूचना जारी कर फिर से पुरानी व्यवस्था लागू कर दी है इसके तहत घर के लिए जमीन केवल वही अधिकारी या कर्मचारी खरीद सकेंगे जो तीस साल से अधिक समय से यहां सेवाएं दे रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश टेनेंसी एंड लैंड रिफॉर्म्स रूल्स 1975 जोकि साल 2012 तक समय. समय पर संशोधित हुए हैं, उनमें नियम 38 ए के तहत तीसरे अनुच्छेद के सब रूल 2 में शर्त बी कहती है कि घर बनाने के लिए 150 से 500 वर्ग मीटर जमीन दी जा सकती है।

सरकार ने इसलिए बदला फेसला

यह जमीन वे अधिकारी या कर्मचारी खरीद सकते हैं जो हिमाचल में 30 साल से अधिक समय से रह रहे हों और संबंधित स्थानीय निकाय ने इसे इजाजत देने की सिफारिश की हो।

टब केवल गैर हिमाचली अधिकारी और कर्मचारी ही 30 साल की सेवा के बाद घर बनाने के लिए तय 500 वर्ग मीटर से कम

यूजी-पीजी में पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगा स्वच्छ कैंपस

द रीव टाइम्स ब्यूरो

एचपीयू और कॉलेजों में संचालित यूजी और पीजी पाठ्यक्रम में अब स्वच्छ भारत मिशन का स्वच्छ कैंपस हिस्सा बनेगा। यूजीसी ने इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के निर्देश जारी किए हैं।

विवि और कॉलेजों में स्वच्छ कैंपस के तहत परिसर को साफ सुथरा रखने के लिए समय–समय पर प्रैक्टिकल वर्क करवाकर इसके दो क्रेडिट पाठ्यक्रम में शामिल करने को कहा गया है।

इससे विद्यार्थी के कॉलेज परिसर में चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय हिस्सा लेने पर शिक्षक दो क्रेडिट देंगे। इसे डिग्री में जोड़ा जाएगा।

यूजीसी के आदेशों में साफ किया है कि विवि अपने कैंपस और संबद्ध कॉलेजों में स्वच्छ कैंपस कार्यक्रम संचालित करें। विश्वविद्यालय इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर लागू करवाए। डिग्री में दो क्रेडिट विद्यार्थियों को दिए जाएं।

पीएमजीएसवाई टॉप-13 में शामिल हुआ हिमाचल लक्ष्य से ज्यादा उपलब्धि के लिए मिलेगा सम्मान

प्रदेश की ग्रामीण सड़कों के सुधार में हिमाचल को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया है। इस साल हिमाचल ने केंद्र सरकार के टारगेट से कहीं ज्यादा लक्ष्य हासिल किया है। इसके चलते देश के छोटे राज्य को पहली बार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। राज्य सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने यह सम्मान दिल्ली में हासिल किया। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पीएमजीएसवाई की उपलब्धियों को लेकर सभी राज्यों की सूची जारी कर दी है, जिसके तहत ग्रामीण सड़कों को लेकर देश के 13 राज्यों में बेहतर कार्य हो रहा है। अहम है कि इस साल हिमाचल ने इन सर्वश्रेष्ठ राज्यों में अपना नाम दर्ज करवाते हुए टॉप किया है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2017–18 में हिमाचल प्रदेश को 1700 किलोमीटर सड़क मार्गों का टारगेट दिया था। इसमें सड़क मार्गों की अपग्रेडेशन, टायरिंग और इनका सुधार शामिल है। इस लक्ष्य के विरुद्ध प्रदेश ने 1772 किलोमीटर का लक्ष्य हासिल कर दिया है।

राशिल-कुगती-मणिमहेश मार्ग गिनिज बुक में होगा शामिल

द रीव टाइम्स ब्यूरा

दुनिया के सबसे दुर्गम और रोमांचक ट्रैक में शुमार पवित्र राशिल–कुगती–मणिमहेश पैदल मार्ग जल्द गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो सकता है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम जल्द इस रूट का दौरा करेगी। साल भर ग्लेशियरों से लकदक रहने वाले इस ट्रैक पर तीन दर्रे पार कर 7 दिन में लाहौल के राशिल से चंबा के मणिमहेश पहुंचते हैं। दावा किया है कि यह ट्रैक देश का सबसे लंबा और दुर्गम है। इस ट्रैक पर समुद्रतल से 16800 फीट ऊंचे कुगती दर्रा को पार करना पड़ता है।कुगती दर्रा हिमालय की पीरपंजाल रेंज का सबसे ऊंचा दर्रा है।

सरकारी स्कूलों में नर्सरी क्लासेज को केंद्र की हां

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल प्रदेश में 3390 प्राइमरी स्कूलों में नर्सरी क्लासेज शुरू करने की तैयारी है। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय से इसके लिए प्रदेश को मंजूरी मिल गई है।

राज्य में जेबीटी अध्यापकों के साथ एनटीटी को नर्सरी क्लासेज चलाने की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। इनका प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो चुका है। पायलट आधार पर 70 अध्यापकों को इसके लिए ट्रेंड किया जा रहा है। ये अध्यापक फिर फील्ड में जाकर दूसरे अध्यापकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिसके साथ ही सरकारी प्राइमरी स्कूलों में नर्सरी भी शुरू कर दी जाएगी।

प्रदूषण रोकने में हिमाचल आगे

पापा के तहत लगाए विशेष पौधों का दिखने लगा असर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल में चलाए गए वायु प्रदूषण रोकथाम पौधारोपण अभियान–पापा को पूरा देश लोहा मानने लगा है। हिमाचल में पापा के तहत प्रदेश में वायुशोधन पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिली है। हिमाचल के इस महत्त्वाकांक्षी अभियान को प्रतिष्ठित स्कोच आर्डर–ऑफ मैरिट–अवार्ड के लिए चुना गया है। दिल्ली में 18–19 सितंबर को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को यह सम्मान प्रदान किया जाए।

पापा अभियान का शुभारंभ मुख्य मंत्री जयराम ठाकुर ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुंदरनगर में गत पांच जून को बेल का पौधा लगाकर किया था। दरअसल केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपने शहरों की पहचान के कार्यक्रम के तहत राज्य में सात शहरों का वायु प्रदूषण मापा था। यह स्तर तय सीमा से 2011 से 2015 के मध्य अधिक पाया गया था, इसको कम करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उचित कदम उठाने की दिशा में काम करना शुरू किया।

शिक्षा साथी ऐप से हर स्कूल पर नजर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रदेश के हर स्कूल में चल रही गतिविधियों पर अब सीधे सरकार की नजर रहेगी। किस स्कूल में क्या हो रहा है और कहां पर किस तरह की व्यवस्था है, इसका आसानी से पता चल जाएगा। खास तौर पर शिक्षा विभाग की इंस्पेक्शन टीमों पर नजर रहेगी, जिनका यह पता नहीं होता कि उन्होंने वास्तविकता में किसी स्कूल की इंस्पेक्शन की भी है या फिर नहीं। प्रदेश के शिक्षा महकमे ने इन सब पर नजर रखने के लिए शिक्षा साथी ऐप तैयार करवाया है, इससे शिक्षा मंत्री समेत आला अधिकारी स्कूलों की निगरानी कर सकेंगे। यही नहीं, इंस्पेक्शन टीमों को स्कूल में जाकर वहां की गतिविधियों को इस ऐप में अपलोड करना होगा, जिससे यह भी पता चल जाएगा कि वे लोग वास्तविकता में वहां गए थे।

ऑक्सीटोसिन से प्रतिबंध हटा

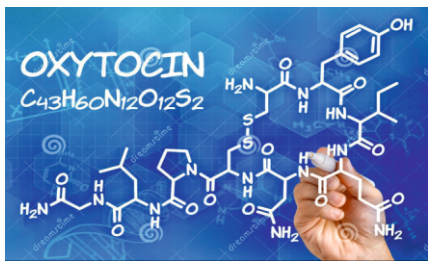

द रीव टाइम्स ब्यूरो

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऑक्सीटोसिन की बिक्री पर लगा प्रतिबंध हटाते हुए निजी खुदरा दवा दुकानों को पहली सितंबर से इस जीवन रक्षक होर्मोन को बेचने की अनुमति दे दी है। इससे पहले मंत्रालय ने 27 अप्रैल को निजी दवा दुकानों के माध्यम से ऑक्सीटोसिन की बिक्री पर पहली जुलाई से प्रतिबंध की अधिसूचना जारी की थी और कहा था कि यह दवा केवल सरकारी अस्पतालों और क्लीनिकों में बेची जाएगी। बाद में इस पाबंदी का क्रियान्वयन पहली सितंबर तक टाल दिया था। अब मंत्रालय ने सभी खुदरा दुकानों को ऑक्सीटोसिन बेचने की इजाजत दे दी है, लेकिन सरकार ने घरेलू उपयोग के लिए ऑक्सीटोसिन का निर्माण केवल एक सरकारी कंपनी तक सीमित कर दिया है। अब सरकारी कंपनी कर्नाटक एंटीबायोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (केएपीएल) ही ऑक्सीटोसिन का निर्माण और वितरण करेगी। इसके अलावा पहली सितंबर से ऑक्सीटोसिन ड्रग बाजार में बार कोड के साथ भी उपलब्ध होगी।

दुरुपयोग पर लगा था बैन

ऑक्सीटोसिन प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाला होर्मोन है, जो प्रसव के दौरान गर्भाशय संकुचन पैदा करता है और नई माताओं को स्तनपान करवाने में मदद पहुंचाता है, लेकिन आजकल डेयरी उद्योग में इसका जमकर दुरुपयोग हो रहा है। इसके अलावा सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए भी इस होर्मोन का उपयोग किया जाता है। इसी वजह से केंद्र सरकार इसके आयात पर पहले ही रोक लगा चुकी है।

हिमाचल में तीन अन्तर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्कूल

द रीव टाइम्स ब्यूरो

केंद्र सरकार की स्पोर्ट्स स्कूल बनाने की योजना के तहत पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के तीन स्कूलों को चिन्हित कर रिपोर्ट केंद्र सरकार ने मंगवा ली है। केंद्र सरकार ने जिला हमीरपुर के सैनिक स्कूल सुजानपुर, जिला शिमला के मिलिट्री स्कूल चायल और जिला सोलन के आर्मी स्कूल डगशाई का खाका मंगवाया है। देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार पहले चरण में देश के 20 स्कूलों को स्पोर्ट्स स्कूल के रूप में विकसित करेगी। इसके बाद आगामी चार सालों में देश भर के 150 स्कूलों में यह सुविधा प्रदान की जाएगी। स्पोर्ट्स स्कूल में दो या तीन खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जाएगी, ताकि बेहतर शिक्षा के साथ प्रतिभावान बच्चों को जीवन की शिक्षा मैदान में भी दी जा सके।

केंद्र सरकार के खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2024 में पेरिस ओलंपिक और 2028 के लंदन ओलंपिक में शीर्ष पर रहने के लिए मैप तैयार किया है। इसके साथ ही खेल मंत्री ने यह भी कहा है कि भारत में शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा फेरबदल होने वाला है। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूली बच्चों का पाठ्यक्रम भी 50 फीसदी तक कम कर दिया जाएगा और बच्चों को खेल किताबों में भी पढ़ाया जाएगा और मैदान पर प्रेक्टिकल करवाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में 10–12 साल के बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

डीएमआर सोलन की मशरूम ऐप आईसीएआर में शामिल

खुंब अनुसंधान निदेशालय (डीएमआर) सोलन की आईसीएआर–मशरूम ऐप की उपयोगिता व विश्वसनीयता को देखते हुए उसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की कृषि ज्ञान मोबाइल ऐप्स में शामिल किया गया है। आईसीएआर की ऐप को जुलाई माह में पीएमओ कार्यालय द्वारा कृषि मंत्रालय के अंतर्गत जारी किया गया था। यह डीएमआर के लिए काफी गर्व की बात है कि उनकी मशरूम ऐप देश की अन्य 170 ऐप के साथ इस ऐप्स में जगह बनाने में कामयाब हुई है। इस ऐप के शामिल हो जाने के बाद अब मशरूम उत्पादन से संबंधित जानकारी हासिल करने वालों को और अधिक सुविधा मिलेगी। गौर रहे कि खुंब अनुसंधान निदेशालय ने आईसीएआर–मशरूम ऐप तैयार की है। गूगल प्ले स्टोर पर मौजूद इस ऐप के माध्यम से मशरूम के उत्पादन, नवीन तकनीक, स्पॉन व मार्केट सहित तमाम जानकारी अब किसी भी व्यक्ति को एक क्लिक पर उपलब्ध हो रही है। इस ऐप के माध्यम से डीएमआर देशभर के मशरूम उत्पादकों को एक मंच पर लाया है। इस ऐप के माध्यम से ही यह भी पता चलेगा कि देश के किस राज्य में मशरूम पर क्या काम हो रहा है। मशमरू का खरीददार कौन व कहां मिलेगा, कौन मशरूम बेचने वाला है और मार्केट चेन क्या है, कहां मशरूम उत्पादन की तकनीकी जानकारी मिलती है।

हिमाचल में लगेंगे आलू आधारित उद्योग

द रीव टाइम्स

हिमाचल प्रदेश में आलू पर आधारित दो उद्योगों को लगाने की तैयारी की जा रही है। ये दो उद्योग प्रदेश के कांगड़ा और कुल्लू जिले में चिप्स का उत्पादन करेंगे। इसके अलावा आलू के अन्य प्रोडक्ट भी तैयार किए जा सकते हैं। राज्य सरकार इन उद्योगों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड में लगाने की तैयारी में है। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।कई किसान भोज्य आलू को आलू बीज के नाम पर देश की विभिन्न मंडियों में बेच रहे हैं। इसी पैदावार को देखते हुए राज्य सरकार ने कांगड़ा और कुल्लू जिलों में आलू पर आधारित उद्योग लगाने की तैयारी की है।

द रीव टाइम्स
आपकी आवाज़ ही है
हमारी आवाज़

मातृ वंदना में हिमाचल अव्वल

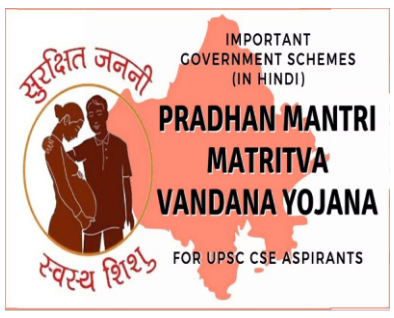

द रीव टाइम्स ब्यूरो

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित मातृ वंदना सप्ताह समारोह के समापन पर योजना में उल्लेखनीय प्रगति करने पर हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, झारखंड, मध्य प्रदेश, आंध्रप्रदेश और राजस्थान को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी समेत केंद्रीय अधिकारियों ने योजना को तेजी से लागू करने की सभी से अपील की।

7 सितंबर को मातृ वंदना सप्ताह के समापन समारोह में पीएमएमवीवाई (प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना) में उल्लेखनीय कार्य के लिए नार्थ जोन से हिमाचल प्रदेश, नार्थ–ईस्ट जोन से मिजोरम, पूर्वी जोन से झारखंड, सेंट्रल जोन से मध्य प्रदेश, साउथ जोन से आंध्रप्रदेश और वेस्टर्न जोन से राजस्थान को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, हरियाणा के पंचकुला और यमुनानगर, असम के ढिब्रूगढ़, पश्चिम बंगाल के मेदनीपुर और अलीपुरद्वार, मध्य प्रदेश के इंदौर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले को योजना में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए सम्मान दिया गया।

जोनल अस्पताल डीडीयू में डायलिसिस केंद्र खोला गया गया है।

द रीव टाइम्स ब्यूरो

उद्घाटन कर दिया। स्वास्थ्य मंत्री विपिन परमार भी इस अवसर पर मौजूद रहे। अस्पताल में डायलिसिस सुविधा शुरू होने के बाद शहर के सैकड़ों किडनी रोगियों को लाभ मिलेगा। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले बीपीएल मरीजा को यह सुविधा मुफ्त मिलेगी। अन्य मरीजों से डायलिसिस के 1169 रुपये शुल्क लिया जाएगा।

निजी अस्पतालों में मरीजों को करीब चार हजार रूपये से अधिक डायलिसिस के चुकाने पड़ते हैं। सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस के लिए सुविधा न मिलने मरीजों को शिमला से चंडीगढ़ या पटियाला भी जाना पड़ता था। अब डीडीयू अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से लोगों को फायदा होगा।

प्रदेश में चार और डायलिसिस सेंटर जल्द

प्रदेश में चार और डायलिसिस केंद्र खोले जाएंगे। ये केंद्र चंबा, नूरपुर, पालमपुर और पांवटा साहिब में खुलेगें । इन केन्द्रों के खुलने से लोअर हिमाचल के लोगो को सुविधा होगी।

हिमाचल सार

प्रिय पाठकों, द रीव टाइम्स को आप सभी का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस समाचार पत्र को और अधिक ज्ञानवर्धक बनाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगात्मक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आप सभी पाठकों के लिए प्रस्तुत है बिते 15 दिनों की घटनाओं पर आधारित प्रश्नावली :

संभावित प्रश्न

1	ताजा आंकड़ो के मुताबिक हिमाचल के कितने फीसदी बच्चे नाटेपन का शिकार है?	26 फीसदी
2	2022 तक इसे कितने फीसदी लाने का लक्ष्य रखा गया है?	15 फीसदी
3	वन समृद्धि जन समृद्धि योजना किस प्रदेश में शुरू की गई है?	हिमाचल में
4	किस शहर में बाहरी वाहनों की एंट्री पर ग्रीलन फीस लगाने का निर्णय लिया गया है?	शिमला में
5	हिमाचल के कितने स्कूलों में नर्सरी कक्षाएं शुरू करने की योजना है?	3390 स्कूलों में
6	हाल ही में यूजीसी ने स्वच्छता से संबधित किस विषय को यूजी –पीजी में शामिल करने के निर्देश जारी किए हैं?	स्वच्छ कैंपस
7	टीम इंडिया के किस कप्तान ने हाल ही में शिमला में एड शूट की?	महेंद्र सिंह धोनी
8	नियमों के अनुसार हिमाचल में जमीन खरीदने के लिए गैर हिमाचली कर्मचारियों की न्यूनतम सेवाकाल शर्त कितनी है?	30 साल का सेवाकाल
9	हिमाचल के किस दुर्गम मार्ग को गिनीज बुक में शामिल करने की चर्चा है?	राशिल कुगती – मणिमहेश मार्ग
10	हिमालय की पीरपंजाल रेंज का सबसे ऊंचा दर्रा कौन सा है?	कुगती दर्रा(5050 मीटर)
11	मिल्कफेड का चेयरमेन किसे नियुक्त किया गया है?	निहाल शर्मा
12	पापा अभियान किस क्षेत्र से संबंधित है?	पौधा रोपण
13	हिमाचल ने इस अभियान में कौन सा स्थान हासिल किया?	पहला
14	साथी एप क्या है?	स्कलों की निगरानी से संबंधित
15	कौन सी प्रतिबंधित दवा की बिक्री से हाल ही में प्रतिबंध हटाया गया है?	ऑक्सीटॉक्सिन
16	हिमाचल के कितने स्कूलों को अंतराष्ट्रीय स्पोर्टस स्कूल बनाया जाना है । इन स्कूलों के क्या नाम है?	तीन, सैनिक स्कूल सुजानपुर, आर्मी स्कूल डगशाई और मिलट्री स्कूल चायल,
17	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में हिमाचल के किस संस्थान द्वारा विकसित ऐप को शामिल किया गया है?	खुम्भ अनुसंधान केन्द्र सोलन
18	मातृ वंदना सप्ताह कब मनाया गया?	सितंबर के पहले सप्ताह में
19	मातृ वंदना में हिमाचल ने कौन सा स्थान हासिल किया?	प्रथम
20	हाल ही में हिमाचल में कहां पर डायलेसिस केंद्र खोला गया?	जोनल अस्पताल डीडीयू शिमला
21	किन दो जिलों में आलू आधारित उद्योग लगाने की योजना है?	कुल्लू व कांगड़ा में
22	बहुचर्चित युग हत्याकांड कब हुआ ?	14 जून 2014 को

भारत में देशद्रोह के अंतर्गत कौन-कौन से काम आते हैं?

द रीव टाइम्स ब्यूरो

1. देश–विरोधी गतिविधियों में शामिल संगठन को बैन कर दिया जाता है ।

2. देश विरोधी गतिविधियों के लिए अपराध के हिसाब से धाराएं लगाई जाती हैं लेकिन देशद्रोह के लिए आईपीसी की धारा–124 ए में कड़े प्रावधान किये गए हैं । इसके लिए उम्रकैद तक हो सकती है । इसके तहत देश के खिलाफ लिखना, बोलना या संकेत देकर या फिर अभिव्यक्ति के जरिये विद्रोह करना या फिर नफरत फैलाना या ऐसी कोशिश करना या ऐसी कोई भी हरकत जो देश के प्रति नफरत का भाव रखती हो, वह देशद्रोह कहलाएगी ।

3. आईपीसी की धारा–121 में देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने वालों (आतंकवादी गतिविधियों में शामिल) को सजा दिए जाने का प्रावधान है । अगर कोई शख्स भारत के खिलाफ युद्ध करता है या ऐसी कोशिश करता है या ऐसे लोगों को बढ़ावा देता है तो 10 साल या उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा हो सकती है ।

4. आईपीसी की धारा–122 में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति देश में रहकर, भारत के खिलाफ युद्ध करने की नियत से हथियार जमा करने, बनाने या छुपाने की कोशिश करता है तो आरोपी को दोष साबित होने पर 10 साल तक कैद या उम्र कैद की सजा हो सकती है । ऐसे लोगों का साथ देने वालों के लिए धारा–123 में 10 साल तक की कैद का प्रावधान है ।

आजादी के समय किन रियासतों ने भारत में शामिल होने से मना कर दिया था और क्यों?

हजारों लोगों के द्वारा कुर्बानी दिए जाने के बाद अंततः 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी मिली थी लेकिन आजादी के समय भारत एक टूटा–फूटा राष्ट्र था । जब 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिली उस समय 'भारत' के अन्तर्गत तीन तरह के क्षेत्र थे–

(1). 'ब्रिटिश भारत के क्षेत्र' – ये लंदन के इण्डिया आफिस तथा भारत के गवर्नर–जनरल के सीधे नियंत्रण में थे,

(2). 'देसी राज्य' (Princely states)

(3). फ्रांस और पुर्तगाल के औपनिवेशिक क्षेत्र (चन्दननगर, पाण्डिचेरी, गोवा आदि) ।

देशी रियासतें राजा के शासन के अधीन थी लेकिन ब्रिटिश राजशाही से सम्बद्ध थी। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 के अंतर्गत दो स्वतंत्र एवं प्रथक प्रभुत्व वाले देश भारत और पाकिस्तान बनाये गये । देशी रियासतों के सामने तीन विकल्प रखे गये ।

1. या तो भारत में शामिल हो
2. या तो पाकिस्तान के शामिल हो
3. या स्वतंत्र रहें

आजादी के दौरान भारत 565 देशी रियासतों में बंटा था । ये देशी रियासतें स्वतंत्र शासन

में यकीन रखती थी जो सशक्त भारत के निर्माण में सबसे बडी बाधा थी। हैदराबाद, जूनागढ, और कश्मीर को छोडकर 562 रियासतों ने स्वेच्छा से भारतीय परिसंघ में शामिल होने की स्वीकृति दी थी। जूनागढ़ रियासत पाकिस्तान में मिलने की घोषणा कर चुकी थी वहीं काश्मीर ने स्वतंत्र बने रहने की इच्छा व्यक्त की. हालाँकि भोपाल की रियासत भी भारत में शामिल नहीं होना चाहती थी लेकिन बाद में वह भारत में शामिल हो गयी। सबसे बाद में शामिल होने वाली रियासत भोपाल ही थी। जूनागढ़, कश्मीर तथा हैदराबाद तीनों राज्यों को सेना की मदद से विलय करवाया गया। सरदार पटेल तब अंतरिम सरकार में उप–प्रधानमंत्री के साथ देश के गृहमंत्री भी थे।

कुपोषण से निपटने के लिए सबसे कारगर तरीका, मोटा अनाज खाओ सेहत बनाओ

द रीव टाइम्स ब्यूरो

एक बड़ी कुपोषित आबादी की मुश्किल चुनौती से निपटने के लिए सबसे कारगर तरीका है मोटे अनाजों का सेवन । हरित क्रांति से पहले यही अनाज जीवन आधार हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ ये चलन से बाहर हो चुके हैं । कभी हमारे आहार का जरूरी हिस्सा रहे ये मोटे अनाज आज उपेक्षित हैं। हमारे पुरखे इन्हीं अनाजों का सेवन करके सर्दी, गर्मी और बरसात से बेपरवाह रहते थे ।

मोटा अनाज : घास कुल (ग्रैमिनी) के पौधे जिनको उनके बीज के लिए उगाया जाता है । अनाज कहलाते हैं । एक परिवक्व अनाज के दाने के तीन भाग होते हैं । जर्म, स्टार्च युक्त इंडोस्पर्म और पेरी कार्प या वाह्य आवरण। कुछ अनाज के दानों की वाह्य झिल्ली रेशेदार छिलकों से कसी होती है, जिनको मंड़ाई से भी सामान्यतः नहीं निकाला जा सकता है । इन अनाजों को मोटा अनाज कहते हैं । जैसे चना, ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदो, मडुआ, सांवा, रागी, कुटकी, कंगनी आदि।

सांसद निधि योजना में सांसद को कितना फंड मिलता है?

सांसद निधि योजना केंद्र सरकार द्वारा चलायी गयी योजना है जिसमें सांसदों (लोक सभा, राज्य सभा और मनोनीत) को अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य कराने के लिए प्रतिवर्ष वितीय सहायता दी जाती है । सांसद निधि योजना की शुरुआत 23 दिसंबर 1993 को पी. वी. नरसिंहा राव के प्रधानमन्त्री रहते शुरू किया गया था।

फरवरी 1994 तक MPLAD योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय के नियंत्रण में थी लेकिन अक्टूबर 1994 में इसे ''सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय'' को स्थानांतरित कर दिया गया था ।

वर्ष 1993–94 में, जब यह योजना शुरू की गई, तो सहायता राशि मात्र 5 लाख प्रति सांसद थी लेकिन 1998–99 से इस राशि को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया गया और वर्तमान में इस योजना के तहत मिलने वाली राशि 5 करोड़ रुपये कर दी गयी है ।

राशि को कौन खर्च करता है?

इस योजना की राशि सांसद के खाते में नहीं बल्कि सम्बंधित जिले के जिला कलेक्टर/ जिला मजिस्ट्रेट/ डिप्टी कमिश्नर या नोडल अधिकारी के खाते में 2.5 करोड़ रुपये की दो किस्तों (वित्त वर्ष के शुरू होने के पहले) में भेजी जाती है । सांसद, जिलाधिकारी को बताता है कि उसे जिले में कहाँ–कहाँ इस राशि का उपयोग करना है।

नीरव ने एक हीरा दुनियाभर में घुमाया, 21.38 करोड़ डॉलर के फर्जी बिल दिखाकर लोन लिया: अमेरिकी रिपोर्ट

द रीव टाइम्स ब्यूरो : नीरव मोदी ने एक हीरे को दुनियाभर में घुमाया। तीन कैरेट का एक ही हीरा नीरव मोदी की संदिग्ध कंपनियों को चार बार भेजा गया। 2011 में पांच हफ्ते के अंदर यह सब हुआ। राउंड ट्रिपिंग का यह खेल ही सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले (पीएनबी फ्रॉड) की जड़ था। अमेरिका के सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन और न्याय विभाग के वकील की जांच में यह सामने आया है। ब्लूमबर्ग ने इस रिपोर्ट के हवाले से बताया कि नीरव ने 2011 से 2017 के बीच कुल 21.38 करोड़ डॉलर के फर्जी बिल तैयार किए। इनके आधार पर वह लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स के जरिए पंजाब नेशनल बैंक से लोन लेता रहा। बिक्री में तेजी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर नीरव मोदी और उसके सहयोगियों ने कई देशों में 4 अरब डॉलर का लोन लिया।

केरल: राज्य के सालाना खर्च से ज्यादा नुकसान बाढ़ के कारण हुआ, 59 हजार लोग अभी भी शिविरों में- मुख्यमंत्री

तिरुअनंतपुरम. केरल में पिछले दिनों आई भीषण बाढ़ में 483 लोगों की मौत हुई है। 14 लोग अभी भी लापता हैं। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने बताया कि बाढ़ से केरल को राज्य के सालाना खर्च से ज्यादा नुकसान पहुंचा। राज्य में 57 हजार हेक्टेयर फसल भी इस बाढ़ से बर्बाद हुई।

विधानसभा में आपदा को लेकर रखे गए एक दिन के विशेष सत्र के दौरान विजयन ने बताया, ''मौसम विभाग ने 9–15 अगस्त के बीच राज्य में 9.85 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान जारी किया था, लेकिन इस दौरान 35.2 सेंटीमीटर बारिश दर्ज हुई। बाढ़ के दौरान 3,000 राहत शिविरों में 14.5 लाख लोग थे। लेकिन अब 305 शिविरों में 59 हजार 296 लोग हैं।'' विजयन ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष में 28 अगस्त तक 738 करोड़ रुपए जमा हुए हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजी बुरे सपनों को रोकने की तरकीब

वैज्ञानिकों ने जीन के ऐसे जोड़े की खोज की है जिससे कि रात में लोगों को आने वाले बुरे सपनों को रोकने में मदद मिलेगी । रैपिड आइ मूवमेंट स्लीप, सोने की वह रहस्यमयी अवस्था है जिसमें जानवर स्वप्न देखते हैं । यह अवस्था उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है । लेकिन, इसके पीछे जो मैकेनिज्म है उसकी जानकारी अभी नहीं है ।

जापान के रीकेन सेंटर फॉर बायोसिस्टम्स डायनमिक्स रिसर्च के शोधकर्ताओं की टीम ने जीन के ऐसे जोड़े की पहचान की है जो यह तय करने में मदद करता है कि जानवर कितनी रैपिड आइ मूवमेंट और कितनी नॉन रैपिड आइ मूवमेंट नींद लेते हैं। रैपिड आइ मूवमेंट स्लीप के समय हमारा दिमाग उतना ही सक्रिय होता है जितना जाग्रत अवस्था में और यह यादाश्त का एकीकरण करने वाली अवस्था कही जाती है।

5 सितंबर को ही क्यों शिक्षक दिवस मनाया जाता है

शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे, बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें। - सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर उनकी स्मृति में सम्पूर्ण भारत में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस (Teachers Day) मनाया जाता है। वह एक महान शिक्षक होने के साथ–साथ स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपती तथा दूसरे राष्ट्रपति थे। गुरु का हर एक के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है और इसलिए कहा गया है कि: गुरू ही श्रेष्ठ हैं।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान दार्शनिक और शिक्षक थे और शिक्षा में उनका काफी लगाव था, इसलिए सम्पूर्ण भारत में सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गुरु अर्थात् शिक्षक के बिना सही रास्तों पर नहीं चला जा सकता है। वह मार्गदर्शन करते है. तभी तो शिक्षक छात्रों को अपने नियमों में बांधकर अच्छा इंसान बनाते हैं और सही मार्ग प्रशस्त करते रहते है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जन्म दाता से बढकर महत्व शिक्षक का होता है क्योंकि ज्ञान ही इंसान को व्यक्ति बनाता है, जीने योग्य जीवन देता हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था (दुग्ध उत्पादन) पर आधारित सामान्य ज्ञान क्विज

1. दुग्ध उत्पादक देशों का सही अनुक्रम निम्नलिखित में से कौन सा है?

A- चीन, भारत, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका
B- भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस
C- संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन, रूस
D- भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस
Ans- B

2. विश्व में दूध की रानी की उपमा बकरी की किस नस्ल को दी गई है?

A- सानेन B- एग्लों–नुबियन
C- दमस्कस D- जमुनापारी
Ans- A

3. विश्व में सर्वाधिक दूध देनेवाली गाय की नस्ल का नाम क्या है?

A- जर्सी B- ब्राउन स्विश
C- होल्स्टीन फीजियन D- गर्नशी
Ans- C

4. भारत में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के जनक के रूप में किसे जाना जाता है?

A- डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन
B- डॉ. एस. आर. पिरौदा
C- डॉ. वर्गीज कुरियन
D- डॉ. सतीश धवन
Ans- C

5. संतुलित आहार के तहत एक व्यक्ति को प्रतिदिन कितना दूध लेने की सलाह दी गई है?

A- 280 ग्राम B- 250 ग्राम
C- 180 ग्राम D- 226 ग्राम
Ans- D

6. भारत में सम्पूर्ण दूध उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किस पशु का है?

A- गाय B- भैंस
C- बकरी D- भेंड़
Ans- B

7. संसार में भैसों की सर्वाधिक संख्या कहाँ पाई जाती है?

A- इण्डोनेशिया B- चीन
C- भारत D- अमेरिका
Ans- C

8. दुग्ध पदार्थों (Milk Product) के उत्पादन के मामले में संसार में पहला स्थान किस देश का है?

A- भारत B- न्यूजीलैंड
C- डेनमार्क D- चीन
Ans- C

9. घी अथवा दूध का पीला रंग किसके कारण होता है?

A- केसीन B- एलब्यूमिन
C- ग्लोब्यूलिन D- कैरोटिन
Ans- D

10. दूध का गाढ़ापन कितना होता है?

A- 1.0 — 3.0 सेंटीपॉइज
B- 1.5 — 2.0 सेंटीपॉइज
C- 2.0 — 3.0 सेंटीपॉइज
D- 2.0 — 2.5 सेंटीपॉइज
Ans- B

क्या आप जानते हैं

इंसान का दिमाग़(जागते समय) इतनी energy produce करता है.....

कि एक 40 वॉट का बल्ब 24 घंटे जलाया जा सकता है

200 और 2000 रुपए के नोट से जुड़े नियम RBI ने बदले, तत्काल प्रभाव से लागू किया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

भारतीय रिजर्व बैंक ने कटे–फटे नोट बदलने के नियमों में बदलाव किया है । केंद्रीय बैंक द्वारा 2,000 रुपये, 200 रुपये और अन्य कम मूल्य की मुद्रा पेश किए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है । वर्ष 2016 के नवंबर में नोटबंदी के बाद रिजर्व बैंक ने 200 रुपये और 2,000 रुपये के नोट पेश किये । इसके अलावा 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये और 500 रुपये छोटे नोट पेश किये थे ।

2009 में बदले थे केंद्रीय बैंक ने नियम

रिजर्व बैंक के देश भर में कार्यालयों या मनोनीत बैंक शाखाओं में कटे–फटे नोट बदले जा सकते हैं । नोट की स्थिति पर आधे मूल्य या पूरे मूल्य पर इन्हें बदला जा सकता है । रिजर्व बैंक (नोट वापसी) नियम 2009 में संशोधन करते हुए केंद्रीय बैंक ने कहा कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में कटे–फटे नोट को बदलने में लोगों को सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है । नई श्रृंखला के नोट पूर्व की श्रृंखला के मुकाबले छोटे है । ये नियम तत्काल प्रभाव से अमल में आ गए हैं । रिजर्व बैंक ने कहा, 'साथ ही 50 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोट के मामले में पूर्ण मूल्य के भुगतान के लिए नोट के न्यूनतम क्षेत्र की जरूरत को लेकर भी नियम में बदलाव किए गए हैं....

आर्टिकल 35 ए: नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा, लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की दी धमकी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भाग ना लेने की घोषणा के कुछ दिनों बाद नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने धमकी दी कि अगर केंद्र अनुच्छेद 35ए की रक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाएगा तो वह विधानसभा और संसदीय चुनावों का भी बहिष्कार करेगी । अनुच्छेद 35 ए जम्मू कश्मीर के नागरिकों को विशेष अधिकार देता है और राज्य से बाहर के लोगों को कोई भी अचल संपत्ति खरीदने से रोकता है । अनुच्छेद 35ए को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है ।

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने यहां कहा, 'हम कैसे अपने कार्यकर्ताओं के पास जा सकते हैं और उन्हें वोट देने के लिए निकलने के लिए कह सकते हैं? पहले हमारे साथ न्याय करिए और अनुच्छेद 35ए पर अपना रुख स्पष्ट करिए । अगर आपकी योजना जम्मू कश्मीर की विशेष स्थिति को कमजोर करने की है तो हमारे रास्ते अलग हैं । फिर हम चुनाव नहीं लड़ सकते । ना केवल शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव बल्कि हम फिर विधानसभा और संसदीय चुनावों का भी बहिष्कार करेंगे'

कश्मीर: पुलिस ने बदला भेष और पत्थरबाजों तक यूं पहुंची

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने पथराव के पीछे के असली गुनाहगारों को गिरफ्तार करने के लिए ऐतिहासिक जामा मस्जिद क्षेत्र में पत्थरबाजों के बीच अपने लोगों को भेजने की नयी रणनीति अपनायी जुमे की नमाज के बाद भीड़ ने पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों पर पथराव करना शुरू कर दिया लेकिन दूसरी ओर से कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की गयी ।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने न तो आंसूगैस के गोले दागे और न ही लाठीचार्ज किया । जब 100 से ज्यादा लोग हो गये और दो पुराने पत्थरबार भीड़ की अगुवाई करने लगे तब लोगों को तितर–बितर करने के लिए पहला आंसू गैस का गोला दागा गया ।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला समलैंगिक संबंध अपराध की श्रेणी में नहीं 72 देशों में समलैंगिकता अब भी अपराध, 125 में नहीं

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सुप्रीम कोर्ट द्वारा समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के साथ ही भारत उन 125 अन्य देशों के साथ जुड़ गया जहां समलैंगिकता वैध हैं लेकिन, दुनियाभर में अब भी 72 ऐसे देश और क्षेत्र हैं जहां समलैंगिक संबंध को अपराध समझा जाता है । उनमें 45 वे देश भी हैं जहां महिलाओं का आपस में यौन संबंध बनाना गैर कानूनी है। उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने बृहस्पतिवार को भा दं सं की धारा 377 के तहत 158 साल पुराने इस औपनिवेशिक कानून के संबंधित हिस्से को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया और कहा कि यह समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है

इंटरनेशनल लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांस एंड इंटरसेक्स एसोसिएशन के अनुसार आठ ऐसे देश हैं जहां समलैंगिक संबंध पर मृत्युदंड का प्रावधान है और दर्जनों ऐसे देश हैं जहां इस तरह के संबंधों पर कैद की सजा हो सकती है । जिन कुछ देशों समलैंगिक संबंध वैध ठहराये गये हैं उनमें अर्जेंटीना, ग्रीनलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, आइसलैंड, स्पेन, बेल्जियम, आयरलैंड, अमेरिका, ब्राजील, लक्जमबर्ग, स्वीडन और कनाडा शामिल हैं.

विवाह को कानूनी रूप देने का सरकार करेगी विरोध

सरकार के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि दो समलैंगिक के बीच आपसी सहमति से बनाया जाने वाला यौन संबंध ठीक है, लेकिन सरकार उनके बीच विवाह को कानूनी रूप देने की किसी भी मांग का विरोध करेगी । उन्होंने कहा कि रूढ़िवादी हिंदुओं को सत्तारूढ़ भाजपा का मजबूत समर्थक के तौर पर देखा जाता है ।

समलैंगिकता एक आनुवांशिक दोष

समलैंगिकता एक आनुवांशिक दोष है । यह समाज में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से आपकी स्थिति को प्रभावित नहीं करता है । समलैंगिकों के बीच संबंध को अपराध नहीं करार नहीं दिया जा सकता क्योंकि यह उनके निजी जीवन से संबंधित है

शिकागो में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत- हजारों साल से प्रताड़ित हो रहे हैं हिंदू

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व हिंदू कांग्रेस को संबोधित करने को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत भी पहुंचे । वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू किसी का विरोध करने के लिए नहीं जीते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो हिंदुओं का विरोध करते हैं । यहां भागवत ने हिंदू समुदाय से एकजुट होकर मानव कल्याण के लिए काम करने की अपील भी की । यहां चर्चा कर दें कि शिकागो में स्वामी विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 को दिये गये चर्चित भाषण के 125 साल पूरे होने पर विश्व हिंदू कांग्रेस ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था । विश्व हिंदू सम्मेलन में करीब 2,500 लोगों मौजूद थे । हां भागवत ने कहा कि हिंदू किसी का विरोध करने के लिए जीवित नहीं रहते हैं, लेकिन कुछ ऐसे लोग भी हो सकते हैं जो हमारा विरोध करते हैं । ऐसे लोग हमें नुकसान न पहुंचा पाएं, इसके लिए हमें खुद को तैयार करने की जरूरत है । हिंदू समुदाय से एकजुट होकर मानव कल्याण के लिए काम करने की अपील करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में प्रतिभावान लोगों की संख्या सबसे अधिक है ।

भागवत ने कहा कि हिंदू कभी साथ आने का प्रयास नहीं करते हैं । उनका साथ आना अपने आप में कठिन कार्य है । उन्होंने कहा कि हिंदू हजारों वर्षों से प्रताड़ित किये जा रहे हैं । ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे अपने मूल सिद्धांतों का पालन करना और आध्यात्मिकता को भूल चुके हैं । सभी लोगों से साथ आने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमें साथ आना होगा । हिंदू समाज तब ही प्रगति के पथ पर चल सकेगा, जब वह समाज के रूप में कार्य करेगा ।

SC/ST ACT में नये संशोधन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत के मार्च के फैसले को निष्प्रभावी बनाने और अजा/अ.ज.जा (अत्याचारों की रोकथाम) कानून की पहले की स्थिति बहाल करने के लिए इसमें किये गये संशोधन को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया । अजा/अ.ज.जा (अत्याचारों की रोकथाम) कानून में संसद के मानसून सत्र में संशोधन करके इसकी पहले की स्थिति बहाल की गयी है । न्यायमूर्ति ए के सीकरी और न्यायमूर्ति अशोक भूषण की पीठ ने इस कानून में किये गये संशोधन को निरस्त करने के लिए दायर याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया ।

केंद्र को छह सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब देना है । इन याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि संसद के दोनों सदनों ने 'मनमाने तरीके' से कानून में संशोधन करने और इसके पहले के प्रावधानों को बहाल करने का ऐसे निर्णय किया ताकि निर्दोष व्यक्ति अग्रिम जमानत के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सके । संसद ने इस कानून के तहत गिरफ्तारी के खिलाफ चुनिंदा सुरक्षा उपाय करने संबंधी शीर्ष अदालत के निर्णय को निष्प्रभावी बनाने के लिए नौ अगस्त को विधेयक को मंजूरी दी थी ।

हेरोइन, कोकीन, मेथ और एलएसडी : 4 तरह की ड्रग्स और शरीर पर उनका प्रभाव

- ड्रग्स के हानिकारक दीर्घकालिक प्रभाव हो सकते हैं ।
- हेरोइन अफीम के पौधे की अफीम से प्राप्त होती है ।
- कोकीन का इस्तेमाल टोपिकल एनेस्थेटिक के लिए होता है ।
- कोकीन से मस्तिष्क में डोपामाइन का स्तर बढ़ जाता है ।

हो सकता है कि कुछ ड्रग्स को लेने के बाद कुछ देर के लिए आप अपनी चिंताओं और परेशानियों को भूल जाते हो । लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन सभी के हानिकारक दीर्घकालिक प्रभाव हो सकते हैं। और तो और अगर इसकी ओवरडोज ली जाये तो यह गंभीर जटिलताओं और यहां तक कि मौत का कारण भी हो सकती है। शरीर और मन पर इन ड्रग्स के प्रभाव को समझने के लिए हमने कई डॉक्टरों से संपर्क किया।

हेरोइन

यह ड्रग्स अफीम के पौधे की अफीम से प्राप्त होती है। इस अफीम को पहले परिष्कृत किया जाता है फिर आगे केमिकल हेरोइन बनने के लिए संशोधित ।

शरीर की प्रतिक्रिया और प्रभाव

जब हेरोइन शरीर में निगली जाती है (मौखिक रूप से, इंजेक्शन या धूम्रपान के माध्यम से), तो यह अफीम में बदलकर मस्तिष्क पर असर डालता है। तब प्रभावित नर्वस सेल्स डोपामाइन रिलीज करता है, एक न्यूरोट्रांसमीटर खुशी की भावनाओं की मध्यस्थता के लिए जिम्मेदार है।

कोकीन

मेडिकली, इस तरह की कोकीन का इस्तेमाल टोपिकल एनेस्थेटिक के रूप में किया जाता है। यह आमतौर पर नाक के माध्यम से सूंघने या मसूड़ों पर रगड़कर लिया जाता है।

लखनऊ के हजरतगंज चौराहे का नाम बदला, 'अटल चौक' होगी नई पहचान

लखनऊ का मशहूर हजरतगंज चौराहा अब अटल चौराहा के नाम से जाना जाएगा । दरअसल, लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने इस चौराहे का नाम बदलकर अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर 'अटल चौराहा' करने की कवायद पर मोहर लगा दी है । अब इसका प्रस्ताव लखनऊ नगर निगम के सदन में रखा जाएगा। जहां इसे सर्वसम्मति से पास किया जाएगा ।

दरअसल, लखनऊ नगर निगम शहर के भीतर तमाम चौराहों, सड़कों और दूसरी ऐतिहासिक जगहों के नामकरण या नाम बदलने का फैसला लेता है । हर महीने इस तरह के तमाम प्रस्ताव कार्यकारिणी के पास आते हैं । पिछले दिनों पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के बाद जोर–शोर से चर्चा चल रही कि उनके नाम पर सड़कों और चौराहों का नामकरण किया जाए ।

किचन के कीड़े-मकौड़ों को मार देता है पुदीने का पौधा

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

- पुदीने को आप स्प्रे के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं
- इसका प्रयोग आप घर में कीड़े–मकौड़े भगाने में आपकी मदद करेगा
- इसके छिड़काव से कमरे में एक अलग तरह की खुशबू महसूस कर पाएंगे

नेचर और जड़ी–बूटियों के करीब रहने से हेल्थ के प्रति कई संतोषजनक परिणाम देखने को मिलते हैं। अगर आपके आसपास ऐसा नजारा देखने को नहीं मिलता है तो आप इस प्रकार का वातावरण अपने आस–पास बना सकते हैं। इसके लिए ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है। किसी नर्सरी में जाएं और हेल्थ फ्रेंडली पौधों को लेकर आएं और गमले में लगाकर घर के छज्जे, बेडरूम, किचन हॉल में रखें । यहां हम फूलदार और सजावटी पौधों की बात नहीं कर रहे बल्कि उन जड़ी–बूटी वाले पौधों की बात कर रहे हैं जो आप खाना पकाने में एक घटक के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इनमें से एक पौधा है पुदीने का पौधा, जी हां यह एक ऐसा पौधा है जिसे किचन में रखने मात्र से काफी हद तक कीट–पतंगों के लिए Repellant यानी निरोधक का काम करता है।

अगर चुपके से कीड़े आपके रसोईघर में अपना रास्ता बना रहे हैं, तो निश्चित रूप से आपको एक पुदीने का पौधा लगाने की जरूरत है। पुदीना प्रकृतिक रूप से आपके घर में कीट–पतंगों को बढ़ने से रोकती है साथ ही घर को एक खुशनुमा एहसास देता है। ये पौधा चींटियों, मच्छरों और चूहों की तरह कीट पतंगों को भी रोकता है।

वैसे तो बगीचे में पुदीने का पौधा तेजी से फैलता है लेकिन अगर आप इसे घर में लगाना चाहते हैं तो किसी छोटे से गमले में एक छोटा सा पौधा लगा दें। कोशिश ये करें कि पौधा ऐसी जगह हो जहां सूरज की रोशनी मिलती रहे इसके अलावा आप भी पानी देते रहें।

स्प्रे के तौर पर करें इस्तेमाल

पुदीने को आप स्प्रे के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पुदीने की पत्तियों को लेकर पानी में उबाल लें। इससे पुदीने का अर्क पानी में आ जाएगा । अब इस पानी को छानकर स्प्रे बॉटल में भर लें । इसका प्रयोग आप घर में मच्छर, कीड़े–मकौड़े, मक्खियां इत्यादि को भगाने में प्रयोग कर सकते है। इसके छिड़काव से कमरे में एक अलग तरह की खुशबू महसूस कर पाएंगे ।

कुछ लोग हिंदू शब्द को 'अछूत' बनाने की कोशिश कर रहे हैं: वेंकैया नायडू

द रीव टाइम्स ब्यूरो

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि कुछ लोग हिंदू शब्द को 'अछूत' और 'असहनीय' बनाने की कोशिश कर रहे हैं । उन्होंने हिंदू धर्म के सच्चे मूल्यों के संरक्षण की जरूरत पर जोर दिया ताकि ऐसे विचारों और प्रकृति को बदला जा सके जो 'गलत सूचनाओं' पर आधारित हैं । यहां दूसरी विश्व हिंदू कांग्रेस को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि भारत सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास करता है और सभी धर्मों को सच्चा मानता है । हिंदू धर्म के अहम पहलुओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ''साझा करना'' और ''ख्याल रखना'' हिंदू दर्शन के मूल तत्व हैं ।

नायडू ने अफसोस जताया कि (हिंदू धर्म के बारे में) काफी गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं । उन्होंने कहा, 'कुछ लोग हिंदू शब्द को ही अछूत और असहनीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं ।

युगांडा दुनिया का सबसे ऊर्जावान और कुवैत सबसे सुस्त देश, भारत 117वें नंबर पर: डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट

द रीव टाइम्स ब्यूरो

युगांडा दुनिया का सबसे ऊर्जावान और कुवैत सबसे सुस्त देश है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 168 देशों के सर्वे में यह निष्कर्ष सामने आया है। इस रैंकिंग में भारत का 117वां स्थान है। ब्रिटेन 123 और अमेरिका 143वें नंबर पर हैं।

देशों की रैंकिंग के लिए पर्याप्त व्यायाम को पैमाना माना गया था । डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, हफ्ते में कम से कम 75 मिनट का सख्त व्यायाम या फिर 150 मिनट की धीमी शारीरिक गतिविधियां करना पर्याप्त व्यायाम है। इसमें युगांडा के लोग सबसे आगे रहे। सर्वे में बताया गया कि युगांडा में सिर्फ 5.5: लोग ऐसे हैं, जो पर्याप्त रूप से सक्रिय नहीं हैं।

देश	निष्क्रिय आबादी
युगांडा	5.5%
चीन	14.1%
भारत	34%
यूके	35.9%
सिंगापुर	36.5%
फिलीपींस	39.7%
अमेरिका	40%
ब्राजील	47%
कुवैत	67%

दुनिया के 140 करोड़ लोग निष्क्रिय: डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के हर चार में से एक यानी करीब 140 करोड़ वयस्क पर्याप्त एक्सरसाइज नहीं करते। कुवैत, सऊदी अरब और इराक की आधी से ज्यादा आबादी इस मामले में पीछे है। इससे डायबिटीज, कैंसर और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। ज्यादातर देशों में महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कम सक्रिय हैं। गरीब देशों के लोग कई अमीर देशों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा सक्रिय हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि बैठे–बैठे काम करने वाले पेशे और वाहनों पर निर्भरता इसकी वजह है। साल 2001 से 2016 के बीच ग्लोबल एक्सरसाइज लेवल में खास सुधार नहीं हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन 2025 के लक्ष्य में पिछड़ गया। डब्ल्यूएचओ अगले 7 साल में शारीरिक निष्क्रियता का स्तर 10: कम करना चाहता है।

चीन, पाकिस्तान में अपने 5 लाख लोगों को क्यों बसाना चाहता है?

द रीव टाइम्स ब्यूरो

CPEC प्रोजेक्ट क्या है?

CPEC प्रोजेक्ट का फुल फॉर्म China & Pakistan Economic Corridor है जो कि चीन के OBOR प्रोजेक्ट का हिस्सा है । इस प्रोजेक्ट की शुरूआत 2015 में हुई थी । CPEC एक 3,218 किलोमीटर लंबा मार्ग है, जो कि पश्चिमी चीन से दक्षिणी पाकिस्तान को जोड़ेगा. यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, गिलगित–बाल्टिस्तान और बलूचिस्तान होते हुए जायेगा ।

भारत ने गलियारे के निर्माण को अन्तरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अवैध माना है क्योंकि CPEC प्रोजेक्ट, पाक अधिकृत कश्मीर POK से होकर गुजरता है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है। इस परियोजना से चीन को मिलने वाले लाभ

1. चीन को ऊर्जा आयात में कम समय लगेगा और परिवहन की लागत भी कम होगी ।
2. चीन, भविष्य में ग्वादर पोर्ट को नौ–सैनिक अड्डे में भी तब्दील कर सकता है। यह भारत के लिए बुरी खबर है ।
3. चीन की यूरोप तक पहुँच आसान बनेगी ।
4. चीन को हिंद महासागर में एक मजबूत रणनीतिक स्थिति प्राप्त होगी ।

लेकिन सच्चाई इसके उलट है क्योंकि अगस्त में गिलगिट–बल्टिस्तान और POK के लोगों ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया है । उनका आरोप है कि दोनों देश अपने फायदे के लिए इस इलाके के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहे हैं । उनका आरोप है कि इस योजना में चीन के कामगारों को लगाया गया है, जबकि स्थानीय युवा बेरोजगार हैं ।

आंकड़े बताते हैं पाकिस्तानी लोगों की आशंका गलत भी नहीं है क्योंकि ग्वादर बंदरगाह के विकास का काम चीनी कंपनियों के पास है और इसमें चीनी लोग ही काम कर रहे हैं ।

पीएम मोदी ने जब ट्रंप को बताई यह बात, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मोदी मेरे सच्चे दोस्त

द रीव टाइम्स ब्यूरो

द रीव टाइम्स ब्यूरो : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने मित्र के रूप में वर्णित किया, जिन्होंने उन्हें बताया कि अफगानिस्तान से अमेरिका को कुछ भी नहीं मिला है । जाने–माने पत्रकार बॉब वुडवर्ड की ताजा किताब में यह जानकारी दी गई है । यह किताब मंगलवार को स्टोर्स में आई । वुडवर्ड ने अपनी किताब 'फियर:ट्रंप इन द व्हाइट हाउस' में ट्रंप के हवाले से कहा गया है,''भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरे एक मित्र है । उन्होंने (ट्रंप) कहा,'' मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं''. पुस्तक ने विवाद खड़ा कर दिया था क्योंकि ऐसा बताया जाता है कि इसमें ट्रंप को अराजक,अस्थिर और अनभिज्ञ के रूप में चित्रित किया गया था । वुडवर्ड के अनुसार ट्रंप ने पिछले वर्ष 19 जुलाई को व्हाइट हाउस में एक सिचुऐशन रूम बैठक के दौरान यह प्रतिक्रिया व्यक्त की थी । इससे करीब तीन सप्ताह पहले 26 जून को व्हाइट हाउस में मोदी के साथ ट्रंप की एक सफल बैठक हुई थी । 19 जुलाई की बैठक के दौरान ट्रंप के हवाले से कहा गया,''उन्होंने (मोदी) मुझे बताया कि अमेरिका को अफगानिस्तान से कुछ भी नहीं मिला है । कुछ भी तो नहीं । अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर खनिज संपदा है । हम इसे चीन जैसे दूसरों की तरह नहीं लेते है''। ट्रम्प ने कहा, ''अमेरिका को अफगानिस्तान के कुछ मूल्यवान खनिजों को किसी भी समर्थन के बदले में लाने की जरूरत है । जब तक हम खनिज नहीं पाते हैं तब तक मैं कोई समझौता नहीं कर रहा हूं । अमेरिका को पाकिस्तान को भुगतान करना बंद करना चाहिए जब तक कि वे सहयोग नहीं करते है''। इसके छह महीनों बाद ट्रंप ने नव वर्ष एक जनवरी के दिन किये ट्वीट में पाकिस्तान को सभी तरह की सैन्य सहायता रोकने की घोषणा की और कहा कि पाकिस्तान अपनी सरजमीं से संचालित आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा है ।

नेपाल ने अपने सबसे पुराने दोस्त भारत को दिया बड़ा झटका, चीन से मिला लिया हाथ

द रीव टाइम्स ब्यूरो

नेपाल पर चीनी असर साफ दिख रहा है । इसके चलते नेपाल ने भारत से अपने ऐतिहासिक और पौराणिक रिश्तों को दरकिनार कर दिया है । दरअसल नेपाल को भारत में होने वाले बिम्सटेक देशों के सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेना था । नेपाल और भारत की सेना साथ मिलकर यह सैन्य अभ्यास करना चाहते थे । लेकिन नेपाल ने पिछले दिनों ही भारत को झटका दे दिया । उसने भारत के साथ यह सैन्य अभ्यास करने से साफ मना कर दिया है । अब वह अपना यह सैन्य अभ्यास चीन के साथ करेगा। भारत के पुणे में अगले कुछ दिनों में बिम्सटेक देशों का संयुक्त सैन्य अभ्यास होना है । पहले नेपाल इसमें भारत की सेना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करने के लिए तैयार था । लेकिन फिर एक राजनीतिक विवाद के बाद नेपाली सेना ने इसमें हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है । वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित खबर के मुताबिक कुछ दिन बाद ही नेपाल और चीन की सेनाएं 12 दिनों तक संयुक्त अभ्यास करेंगी ।

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सुपर ब्लू ब्लड मून

जब पूर्ण चन्द्र ग्रहण होता हो तो उस समय चन्द्र को 'ब्लड मून' कहा जाता दरअसल सुपर ब्लू मून (Super Blue Moon) या ब्लू मून (Blue Moon), सुपर मून (Super Moon) और पूर्ण ग्रहण (Total Eclipse) का संयोजन है और ये तीन दुर्लभ घटनाएं हैं. ब्लड मून (Blood Moon) की विशेषता यह है कि सफेद रंग की बजाय यह लाल या घाड़े भूरे रंग का होता है ।

क्या आप जानते हैं कि ''ब्लू मून'' (Blue Moon) शब्द का उपयोग कब किया जाता है? जब पूर्णिमा एक महीने में दो बार आती है और चांद पूरा निकलता है, लगभग 28 दिनों से कम समय में ऐसा होता है क्योंकि चन्द्रमा पृथ्वी की चारों ओर चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन लेता है । इसलिए, हम कह सकते हैं कि हर तीन साल में अधिकतर ब्लू मून देखने को मिलता है ।

ऐसे परमाणु मिसाइल जिनसे भारत चीन को टारगेट कर सकता है

भारत एक ऐसा देश है जिसके कई पड़ोसी देश हैं । यह व्यापक अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है । लेकिन इसके दो पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान ने हमेशा भारत की सफलता को कम आंककर उसकी छवि को धूमिल करने की कोशिश की है । भारत की आर्थिक और सैन्य व्यवस्था में निरंतर प्रगति के कारण पिछले एक–डेढ़ दशक में भारत के प्रति चीन एवं पाकिस्तान के दृष्टिकोण में नाटकीय बदलाव हुआ है । भारत ने अपने परमाणु सिस्टम को आधुनिक बनाने के साथ–साथ विकसित भी किया है । विशेषज्ञों के अनुसार भारत के पास 7 परमाणु–सक्षम सिस्टम हैं, जिनमें दो विमान, चार जमीन पर चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और एक समुद्र में स्थित बैलिस्टिक मिसाइल 'इंडियन न्यूक्लियर फोर्सेज 2017' आलेख के अनुसार भारत चार परमाणु सिस्टम और विकसित कर रहा है । इसमें लम्बी दूरी की जमीन और समुद्र से मार करने में सक्षम मिसाइलों को अगले एक दशक तक तैनात किया जा सकेगा ।

दुनिया की 13 प्रसिद्ध महिला अंतरिक्ष यात्रियों की सूची

1. वेलेंटीना टेरेश्कोवा (सोवियत संघ)
जन्म: 6 मार्च, 1937
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 16 जून 1963
उपलब्धि: वेलेंटीना टेरेश्कोवा अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला थी। वह 16 जून 1963 को मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी ।

2. कल्पना चावला (भारत / अमेरिका)
जन्म: 1 जुलाई 1961, मृत्यु: 1 फरवरी 2003
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 19 नवम्बर 1997 एवं 16 जनवरी 2003
उपलब्धि: कल्पना चावला अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली अमेरिकी महिला थी। वह 19 नवम्बर 1997 का STS – 87 मिशन के माध्यम से और 16 जनवरी 2003 को STS – 107 मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी। 1 फरवरी 2003 को कोलम्बिया अंतरिक्षयान हादसे में उनकी मृत्यु हो गई थी ।

3. सुनीता विलियम्स (अमेरिका)
जन्म: 19 सितम्बर 1965
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 9 दिसम्बर 2006 एवं 15 जुलाई 2012
उपलब्धि: सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में चलने वाली नौवीं महिला थी। वह 6 बार अंतरिक्ष में भ्रमण की थी। वह 9 दिसम्बर 2006 का STS – 116/117 मिशन के माध्यम से और 15 जुलाई 2012 को TM। –05 M मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी

4. स्वेतलाना सवित्स्काया (सोवियत संघ)
जन्म: 8 अगस्त 1948
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 19 जुलाई 1982 एवं 17 जुलाई 1984
उपलब्धि: स्वेतलाना सवित्स्काया अंतरिक्ष में चलने वाली एवं दो बार अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला थी। वह 19 जुलाई 1982 को मिशन के माध्यम से और 17 जुलाई 1984 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी।

5. सैली राइड (अमेरिका)
जन्म: 26 मई 1951 मृत्यु: 23 जुलाई 2012
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 18 जून 1983 एवं 5 अक्टूबर 1984
उपलब्धि: सैली राइड अंतरिक्ष में जाने वाली पहली अमेरिकी महिला थी । इसके अलावा वह अंतरिक्ष में जाने वाली पहली समलैंगिक महिला थी। वह 18 जून 1983 को मिशन के माध्यम से और 5 अक्टूबर 1984 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी।

6. जूडिथ रेसनिक (अमेरिका)
जन्म: 5 अप्रैल 1949 मृत्यु: 28 जनवरी 1986
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 30 अगस्त 1984 एवं 28 जनवरी 1986
उपलब्धि: जूडिथ रेसनिक अंतरिक्ष में जाने वाली पहली यहूदी अमेरिकी महिला थी इसके अलावा वह अंतरिक्ष में जाने वाली पहली समलैंगिक महिला थी । वह 30 अगस्त 1984 को मिशन के माध्यम से और 28 जनवरी 1986 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी। 28 जनवरी 1986 को चौलेंजर अंतरिक्षयान हादसे में उनकी मृत्यु हो गई थी

7. अन्ना ली फिशर (अमेरिका)
जन्म: 24 अगस्त 1949
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 8 नवम्बर 1984
उपलब्धि: अन्ना ली फिशर मां बनने के बाद अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला थी। वह 8 नवम्बर 1984 को मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी ।

8. शेनन लुसिड (अमेरिका)
जन्म: 14 जनवरी 1943
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 17 जून 1985, 18 अक्टूबर 1989, 2 अगस्त 1991, 18 अक्टूबर 1993, 22 मार्च 1996
उपलब्धि: शेनन लुसिड चीन में पैदा होने वाली पहली अमेरिकी महिला अंतरिक्ष यात्री थी । वह अंतरिक्ष में तीसरी, चौथी और पांचवीं बार जाने वाली पहली महिला थी । वह 17 जून 1985, 18 अक्टूबर 1989, 2 अगस्त 1991 18 अक्टूबर 1993, 22 मार्च 1996 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी।

9. हेलेन शर्मन (ब्रिटेन)
जन्म: 30 मई 1963
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 18 मई 1991
उपलब्धि: हेलेन शर्मन अंतरिक्ष में जाने वाली पहली ब्रिटिश महिला थी। वह 18 मई 1991 को मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी ।

10. रोबर्टा बोन्डर (कनाडा)
जन्म: 4 दिसम्बर 1945
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 22 जनवरी 1992
उपलब्धि: रोबर्टा बोन्डर अंतरिक्ष में जाने वाली पहली कैनेडियाई महिला थी । वह 22 जनवरी 1992 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी ।

11. माई जेमिसन (अमेरिका)
जन्म: 4 दिसम्बर 1945
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 22 जनवरी 1992
उपलब्धि: रोबर्टा बोन्डर अंतरिक्ष में जाने वाली पहली कैनेडियाई महिला थी । वह 22 जनवरी 1992 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी।

12. माई जेमिसन (अमेरिका)
जन्म: 6 मई 1952
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 8 जुलाई 1994 एवं 29 अक्टूबर 1998
उपलब्धि: चायकी मुकी अंतरिक्ष में जाने वाली पहली जापानी महिला थी । वह 8 जुलाई 1994 को से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी ।

13. क्लौडी हैग्नेरे (फ्रांस)
जन्म: 13 मई 1957
अंतरिक्ष में जाने की तिथि: 17 अगस्त 1996 एवं 21 अक्टूबर 2001
उपलब्धि: क्लौडी हैग्नेरे अंतरिक्ष में जाने वाली पहली फ्रेंच महिला थी । वह 17 अगस्त 1996 को मिशन के माध्यम से और 21 अक्टूबर 2001 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी

जानें पदार्थ के कण लगातार क्यों चलते रहते हैं?

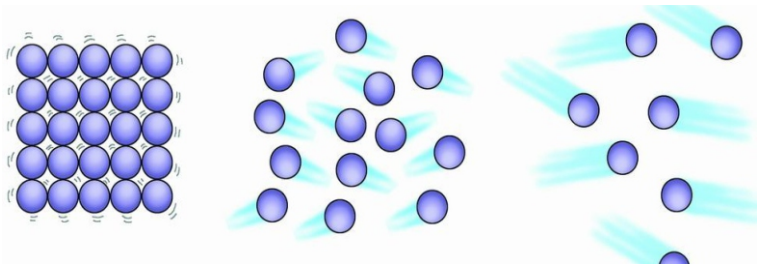

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हमारे चारों तरफ जो भी हमें दिखता है वो छोटे–छोटे कणों से ही तो बना होता है । जो कण पदार्थ को बनाते हैं, उन्हें परमाणु या अणु कहा जाता है । हमारा शरीर, कुर्सी, टेबल, पुस्तक इत्यादि सभी कणों से बने होते हैं ।

पदार्थ और उनकी गति में कणों के अस्तित्व का सबूत विसरण से पता चलता है यानी विभिन्न पदार्थों के मिश्रण से और ठतवूदपंद उवजपवद से । तरल या गैस में निलंबित छोटे कणों के जिग–जैग संचलन को ही ब्राउनियन गति कहते है ।

सबसे पहले हम पदार्थ के बारे में अध्ययन करेंगे

ऐसा कुछ भी जिसमें घनत्व होता है, जो स्थान घेरता है और जिसे हम एक या एक से अधिक इंद्रियों द्वारा महसूस कर पाते हैं उसे पदार्थ कहते है । उदाहरण के लिए हवा और पानीय हाइड्रोजन और ऑक्सीजनय चीनी और रेतय चांदी और स्टील इत्यादि। ये विभिन्न प्रकार के पदार्थ हैं जिनमें वेट, आयतन होता है और ये स्थान भी घेरते हैं। पदार्थ ठोस, तरल, गैस और प्लाज्मा के रूप में भी मौजूद होते हैं ।

पदार्थ के कणों की क्या विशेषताएं होती हैं ?

- पदार्थ के कण बहुत छोटे होते हैं ।
- इनके कणों के बीच में जगह होती है ।
- पदार्थ के कण लगातार चलते रहते हैं ।
- पदार्थ के कण एक–दूसरे को आकर्षित करते हैं ।
- पदार्थ के कणों के मध्य एक आकर्षण बल उपस्थित होता है जिसे अंतरा–अणुक बल कहते हैं । इसी बल के कारण किसी पदार्थ के कण परस्पर बंधे रहते हैं ।
- ये बल ठोसों में सबसे अधिक, द्रवों में उससे कम तथा गैसों में सबसे कम होता है । इसलिए द्रवित पदार्थ को आसानी से अलग कर लिया जाता है जबकि ठोस पदार्थ को नहीं ।

अब आपको बताते हैं कि पदार्थ के कण लगातार कैसे चलते रहते हैं?

विसरण या प्रसार (कपनिपवद) प्रक्रिया और ब्राउनियन गति की सहायता से यह बताया जा सकता है कि पदार्थ के कण लगातार चलते रहते हैं ।

सबसे पहले, हम दो प्रयोगों का वर्णन करेंगे जिनमें गैसों में प्रसार और तरल पदार्थ में प्रसार शामिल हैं ।

(प) जब हम कमरे में किसी एक कोने में अगरबत्ती या धूप को जलाते हैं तो, इसकी सुगंध पूरे कमरे में फैल जाती है । इसे निम्नानुसार समझाया जा सकता है:

अगरबत्ती के जलने से गैस या वाष्प बनती है जिसमें सुखद गंध होती है । इस उत्पन्न गैसों के कण सभी दिशाओं में तेजी से आगे बढ़ते हैं, कमरे में हवा के चलते कणों के साथ मिश्रित हो जाते हैं और हवा के साथ कमरे के हर हिस्से में जल्दी पहुंच जाते हैं ।

ऐसे कई उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि पदार्थ के कण लगातार चलते रहते है:

– रसोई में पकाए जाने वाले भोजन की सुगंध हमें काफी दूरी से भी आ जाती है ।

– इत्र की गंध हवा में इत्र वाष्प के प्रसार के कारण फैलती है ।

– पोटेशियम परमैंगनेट के क्रिस्टल का एक गिलास पानी में विघटन से घोल गुलाबी हो जाता है ।

– जब हम जोर से चिल्लाते हैं तो हम से दूर खड़े व्यक्ति को हवा के माध्यम से प्रचारित ध्वनि के रूप में सुना जा सकता है ।

तो, हम कह सकते हैं कि पदार्थ के कण लगातार चलते रहते हैं ।

जब न्यूज एंकर ने लाइव टीवी पर सुनाई नशे के कारण बेटी की मौत की कहानी

अमेरिका की एक महिला पत्रकार ने ऐसा काम किया है, जिससे हर कोई हैरान है । अमेरिका के दक्षिण डकोटा में एक महिला एंकर ने अपनी 21 साल की बेटी की मौत की जानकारी खुद लाइव टीवी पर दी । बेटी की मौत की खबर सुनाते हुए एंकर ने कहा, 'मैं नहीं जानती थी कि जिस नशे की मौत की खबर रोजाना मैं टीवी पर पढ़ती थी उसमें मेरे परिवार का भी कोई शख्स होगा.'

उन्होंने कहा, अमेरिका समेत कई देश के युवा इन दिनों ड्रग्स की लत का सामना कर रहे हैं । वर्तमान में ऑपिओड (एक तरह की दर्दनाशक दवा, जिसका उपयोग अब नशे के रूप में किया जाने लगा है) का उपयोग अमेरिका में एक महामारी बन गया है । अपना बुलेटिन पढ़ते हुए उन्होंने कहा, 'अब इस ऑपिओड नाम की महामारी ने दुखद और प्रलयंकारी तरीके से मेरे घर में दस्तक दी है । 16 मई को मेरी 28 साल की बेटी एमिली ऑपिओड की ओवरडोज का शिकार हुई और उसकी मौत हो गई ।

डॉक्टरों ने बताया फेंटेनिल पॉईजनिंग

एंकर ने कहा, एमिली की मौत का कारण डॉक्टरों ने फेंटेनिल पॉईजनिंग बताया गया है । भावुकता के साथ कहा, इस घटना ने मेरी पूरी दुनिया को तबाह कर दिया है । मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे परिवार को कोई शख्स नशे की लत के कारण मौत की लिस्ट में आएगा, आप दिनभर खबरें सुनते हैं, लेकिन इसके बारे में सोच भी कौन सकता है? उन्होंने कहा, मेरे और मेरे परिवार के इस नुकसान की कोई क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती है, मेरी बेटी एमिली एक स्मार्ट, सुंदर और प्रतिभाशाली लड़की थी । अमेरिका में महामारी बन गई है ऑपिओड उल्लेखनीय है कि ऑपिओड अमेरिका में एक महामारी की तरह फैल रही है रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक, ऑक्सिओडोन, हाइड्रोकोडोन और मॉर्फिन जैसे प्रिंसिपल ऑपिओड दवाओं से अमेरिका में साल 1999 में मौत का आंकड़ा चौगुणा हो गया था ।

करेंट अफेयर्स

- यूएस ओपन फाइनल में आचार संहिता उल्लंघन को लेकर 23 ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना विलियम्स पर कितने लाख रुपये का जुर्माना लगा है– 12 लाख रुपये
- किस राज्य सरकार ने 09 सितम्बर 2018 को पेट्रोल और डीजल पर वैट की दर 4 प्रतिशत घटाने की घोषणा की हैं– राजस्थान सरकार
- स्विट्जरलैंड सरकार ने किस दिवंगत भारतीय अभिनेत्री की एक प्रतिमा लगाने की योजना बना रही है– श्रीदेवी
- आईसीसी ने भारत के खिलाफ ओवल में जारी पांचवें टेस्ट के दौरान अंपायर के फैसले का विरोध करने पर इंग्लिश पेसर जेम्स ऐंडरसन पर मैच फीस का कितने प्रतिशत जुर्माना लगाया है –15 प्रतिशत
- नेपाली सेना ने किस देश में होने जा रहे बिम्सटेक के पहले सैन्य अभ्यास में शामिल नहीं होने का फैसला किया है– भारत
- रक्षा मंत्रालय के अनुसार एशिया का सबसे बड़ा विमान मेला 'एयरो इंडिया' किस शहर में 20–24 फरवरी, 2019 को आयोजित किया जाएगा– बेंगलुरु
- दिल्ली सरकार द्वारा डोरस्टेप योजना आरंभ किये जाने पर सेवाओं की संख्या – 40
- गृह मंत्रालय ने कितने शहरों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए किये जाने वाले उपायों हेतु लगभग 3,000 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं – आठ
- गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी द्वारा की गई घोषणा के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को किस स्टैच्यू का उद्घाटन करेंगे –स्टैच्यू ऑफ यूनिटी
- वह स्थान जहां विश्व का सबसे बड़ा समुद्री सफाई अभियान आरंभ किया गया – कैलिफोर्निया
- वह प्रसिद्ध अमेरिकी शेफ जिनको मरणोपरांत प्रतिष्ठित एमी पुरस्कार से नवाजा जाएगा – एंथेनी बोर्डेन

तेल की कीमतों का खेल: जानें, कैसे आसमान छूते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

जब भी पेट्रोल–डीजल के दाम आसमान छूते हैं तो मन में यह सवाल कौंधता है कि आखिर कच्चे तेल से पेट्रोल–डीजल तक के सफर में कीमतें इतनी ज्यादा कैसे बढ़ जाती हैं। दरअसल, केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी तो राज्य सरकारें वैट और पलूशन सेस के नाम पर पेट्रोल–डीजल के ग्राहकों से मोटी रकम वसूलती हैं। इस तरह पेट्रोल–डीजल के दाम लागत से दोगुने हो जाते हैं।

सरकारों के टैक्स से पहले की कीमतें

विदेशों से आए क्रूड ऑइल की खेप भारत की रिफाइनरीज में पहुंचती है। यहां तक पहुंचने और रिफाइन होने के बाद पेट्रोल पंपों तक पहुंचने में कुछ लागत आती है । इसका आंकड़ा इस प्रकार है । एंट्री टैक्स, रिफाइनरी प्रोसेसिंग, लैंडिंग कॉस्ट एवं मार्जिन समेत अन्य ऑपरेशन कॉस्ट जोड़े जाते हैं

केंद्र और राज्यों के टैक्स से दाम दोगुने

अब केंद्र सरकार का एक्साइज टैक्स प्रति लीटर पेट्रोल और प्रति लीटर डीजल पर अत्यधिक है ।

पेट्रोल पंप डीलरों के कमीशन

अब इसमें पेट्रोल पंप डीलरों का कमिशन जुड़ता है और पेट्रोल की दर और डीजल का भाव आसमान छूने लगता है । इस पर राज्य सरकारें अलग–अलग दर से वैट और पलूशन सेस वसूलती हैं।

हिंदी प्रश्नोत्तरी

1. संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल की गई चार नई भाषाएँ हैं? –संथाली, मैथिली,बोडो और डोगरी

2. भारतीय भाषाओं को कितने प्रमुख वर्गों में बाँटा गया है? -4

3. भारत में सबसे अधिक बोला जाने वाला भाषायी समूह है? –इण्डो–आर्यन

4. भारत में सबसे कम बोला जाने वाला भाषायी समूह है? -चीनी-तिब्बती

5. ऑस्ट्रिक भाषा समूह की भाषाओं को बोलने वालों को कहा जाता है?–किरात

6. 'जो जिण सासण भाषियउ सो मई कहियउ सारु। जो पालइ सइ भाउ करि सो तरि पावइ पारुम' इस दोहे के रचनाकार का नाम है?- देवसेन

7. चीनी–तिब्बती भाषा समूह की भाषाओं के बोलने वालों को कहा जाता है?– निषाद

8. अपभ्रंश के योग से राजसाधानी भाषा का जो साहित्यिक रूप बना, उसे कहा जाता है?-डिंगल भाषा

9. 'एक नार पिया को भानी। तन वाको सगरा ज्यों पानी।' यह पंक्ति किस भाषा की है?– ब्रजभाषा

10. अमीर खुसरो ने जिन मुकरियों, पहेलियों और दो सुखनों की रचना की है, उसकी मुख्य भाषा है?-खड़ीबोली

11. देवनागरी लिपि को राष्ट्रलिपि के रूप में कब स्वीकार किया गया था?
– 14 सितम्बर, 1949

12. 'रानी केतकी की कहानी' की भाषा को कहा जाता है?- खड़ीबोली

13. प्रादेशिक बोलियों के साथ ब्रज या मध्य देश की भाषा का आश्रय लेकर एक सामान्य साहित्यिक भाषा स्वीकृत हुई, जिसे चारणों ने नाम दिया?– पिंगल भाषा

14. निम्नलिखित में से कौन प्रेमचंद की एक रचना है? -पंच-परमेश्वर

15. 'बाँगरू' बोली का किस बोली से निकट सम्बन्ध है? –खड़ीबोली

2.1. डोगरी भाषा मुख्य रूप से कहाँ बोली जाती है? -जम्मू कश्मीर

2. भारत के किस प्रान्त में कोंकणी भाषा बोली जाती है?–महाराष्ट्र तथा गोवा

3. आन्ध्र प्रदेश की राजकीय भाषा है ? - तेलुगु

4.आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उस इतिहास ग्रंथ का नाम बतलाइए जिसमें मात्र आदिकालीन हिन्दी साहित्य सम्बन्धी सामग्री संग्रहीत है? – हिन्दी साहित्य का आदिकाल

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किन दो प्रमुख तथ्यों को ध्यान में रखकर 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' के काल खण्डों का नामकरण किया है? - ग्रंथों की प्रचुरता एवं ग्रंथों की प्रसिद्धि

6. इनमें किस इतिहासकार ने सर्वप्रथम रीतिकालीन कवियों के सर्वाधिक परिचयात्मक विवरण दिए हैं?–मिश्रबन्धु

7. 'हिन्दी साहित्य का अतीत: भाग- एक' के लेखक का नाम है? -डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

8. प्रेम लक्षणा भक्ति को किस भक्ति शाखा ने अपनी साधना का मुख्य आधार बनाया है? –कृष्णभक्ति शाखा

9. मनुष्यत्व की सामान्य भावना को आगे करके निम्न श्रेणी की जनता में आत्म- गौरव का भाव जगाने वाले सर्वश्रेष्ठ कवि थे? -कबीर

10. 'हंस जवाहिर' रचना किस सूफी कवि द्वारा रची गई थी? –कासिमशाह

11. 'देखन जौ पाऊँ तौ पठाऊँ जमलोक हाथ, दूजौ न लगाऊँ, वार करौ एक करको।' ये पंक्तियाँ किस कवि द्वारा सृजित हैं? -नाभादास

12. 'भक्तमाल'' भक्तिकाल के कवियों की प्राथमिक जानकारी देता है, इसके रचयिता थे? –नाभादास

13. अमीर खुसरो ने किसके विकास में अग्रणी भूमिका निभाई? -खड़ी बोली

14.त्रिपुरा की राजभाषा है? –बांग्ला

15. 'हरिश्चन्द्री हिन्दी' शब्द का प्रयोग किस इतिहासकार ने अपने इतिहास ग्रंथ में किया है? -रामचन्द्र शुक्ल

3.1. आँख की किरकिरी होने का अर्थ है–अप्रिय लगना

2. लाल पीला होने का अर्थ है-क्रोध करना

3. 'नमक का दरोगा' कहानी के लेखक हैं–प्रेमचंद

4. इनमें किस नाटककार ने अपने नाटकों के लिए रंगमंच को अनिवार्य नहीं माना है? -जयशंकर प्रसाद

5. 'प्रभातफेरी' काव्य के रचनाकार कौन हैं? –नरेन्द्र शर्मा

6. 'निशा -निमंत्रण' के रचनाकार कौन हैं? - हरिवंश राय बच्चन

7. बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे? –जयपुर नरेश जयसिंह के

8. 'अतीत के चलचित्र' के रचयिता हैं-महादेवी वर्मा

9. तुलसीदास का वह ग्रंथ कौन–सा है, जिसमें ज्योतिष का वर्णन किया गया है? –रामाज्ञा प्रश्नावली

10. 'रामचरितमानस' में प्रधान रस के रूप में किस रस को मान्यता मिली है? -भक्ति रस

11. सर्वप्रथम किस आलोचक ने अपने किस ग्रंथ में 'देव बड़े हैं कि बिहारी' विवाद को जन्म दिया?–मिश्रबंधु : हिन्दी नवरत्न

12. इनमें किस आलोचक ने अपना कौन सा आलोचना ग्रंथ लिखकर हिन्दी के स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम में आलोचना के अभाव को पूरा करने का सर्वप्रथम सफल प्रयास किया था? -श्यामसुन्दर दास : साहित्यालोचन

13.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'त्रिवेणी' में किन तीन महाकवियों की समीक्षाएँ प्रस्तुत की हैं? –सूर, तुलसी, जायसी

14. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार इनमें एक ऐसा कवि है, जिसका 'वियोग वर्णन, वियोग वर्णन के लिए ही है, परिस्थिति के अनुरोध से नहीं'? -कबीर

15. 'सुन्दर परम किसोर बयक्रम चंचल नयन बिसाल। कर मुरली सिर मोरपंख पीतांबर उर बनमाल॥ ये पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं? –सूरदास

द रीव टाइम्स संस्थापक: डॉ. एल.सी. शर्मा, द रीव टाइम्स पब्लिकेशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक श्री प्रदीप कुमार जरेट द्वारा एसोसिएट प्रैस सायबू निवास समीप सेक्टर -2, बस स्टैंड मिडल मार्केट न्यू शिमला-9, हि.प्र. से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रधान सम्पादक: डा. एल.सी. शर्मा, प्रबन्ध सम्पादक: आनन्द नायर
फोन न. 0177 2640761, मेल: editor@themissionriev.com RNI Reference No. 1328500

Advertorial

प्रदेश में मिशन रीव स्थापित करेगा सलाहकार बोर्ड

ग्राम पंचायत से राज्य स्तर तक बनेंगी सलाहकार समितियां

मिशन रीव और आमजन के मध्य सलाहकार बोर्ड करेगा सेतु का कार्य

इच्छुक समाजसेवियों, संस्थाओं/संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं जागरूक नागरिकों से सलाहकार बोर्ड की सदस्यता हेतु जुड़ने का आह्वान किया जाता है

मिशन रीव सचिवालय

संवाहक बनें

अपना गांव-अपना धन, अपना विकास
अपना बैंक अपना लोन...
आओ बदलें गांव की तस्वीर...
संवाहक बनें अपने गांव अपने समाज के

निधि कंपनी (बैंकिंग)

ग्रामीण सदस्यों में बचत की आदत को बढ़ावा देकर स्वसंचित धन को व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास हेतु ऋण प्रदान करना (सभी सलाहकार समितियों में लागू)

पंचायत स्तर | **खण्ड स्तर** | **ज़िला स्तर** | **राज्य स्तर**

रीव पंचायत सलाहकार बोर्ड

11 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड
(प्रतिनिधि संस्थाओं के सदस्य, बुद्धिजीवि, समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) बैठक प्रतिमाह

पंचायत स्तर सलाहकार बोर्ड के कार्य

- मिशन रीव की वर्तमान ग्रामीण सेवाओं एवं क्रियान्वयन की समीक्षा
- मिशन रीव के अंतर्गत नवीन सुझावों, सेवाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी (बैंक) के लिए ग्रामीणों में बचत की आदत को बढ़ावा देना तथा संचित निधि की 70 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव खण्ड स्तरीय सलाहकार बोर्ड

25 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड
(ग्राम पंचायत प्रधान, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) दो माह में एक बैठक

ब्लॉक स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य

- मिशन रीव की मौजुदा तथा नयी सेवाओं की दीर्घकालीनता एवं रीव स्वयंसेवियों के उत्थान प्रक्रिया की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार सेवाओं का चयन तथा कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 20 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव ज़िला स्तरीय सलाहकार बोर्ड

35 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड
(चेयरमैन पंचायत समिति, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) तीन माह में एक बैठक

ज़िला स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य

- मिशन रीव के मौजुदा एवं नये विकासात्मक लक्ष्यों (संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य, एसडीजी के दृष्टिगत) एवं उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 10 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव राज्य स्तरीय सलाहकार बोर्ड

45 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड
(चेयरमैन ज़िला परिषद्, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) वर्ष में दो बैठक

राज्य स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य

- मिशन रीव की मौजुदा नीतियों की समीक्षा तथा नई नीतियों का निर्माण करना
- मिशन रीव की गतिविधियों एवं सेवाओं की प्रभावशीलता की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 5 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

यदि आपमें जज़्बा है समाजसेवा, ग्रामीण विकास एवं सामाजिक बदलाव लाने का तो आज ही जुड़ें मिशन रीव से और बनिए सलाहकार बोर्ड के सदस्य

IIRD
हम जानते हैं गाँव को बेहतर

हमसे जुड़ने के लिए संपर्क करें

Mob. 94184 04334 www.missionriev.in/advisory.aspx